आषाढ़ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक-06 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

08 जुलाई 2025 मंगलवार

आज का मौसम

25 अधिकतम

18 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

अब फ्रांस के एयरफोर्स प्रमुख ने किया नया दावा

भारत ने एक राफेल फाइटर खोया लेकिन पाक की वजह से नहीं..!

पेरिस एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद से ही राफेल लड़ाकू विमान लगातार चर्चाओं में बना हुआ है। इसे लेकर अब कुछ नई बातें सामने आ रही हैं। दरअसल 6-7 मई की रात भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। उसके बाद से पाकिस्तान दावा करता रहा है कि उसने भारत के कम से कम तीन राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। लेकिन अब राफेल लड़ाकू विमान को लेकन फ्रांस एयरफोर्स के प्रमुख ने पहली बार खुलासा करते हुए कहा है कि भारत को एक राफेल लड़ाकू विमान का नुकसान हुआ है। पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने छ्-10ष्ट फाइटर जेट से एयर टू एयर मिसाइल लॉन्च कर भारतीय विमानों को मार गिराया है, लेकिन उसने आज तक एक भी सबूत नहीं दिए हैं। खबरों के मुताबिक फ्रांसीसी वायुसेना

प्रमुख जनरल जेरोम बेलांगर ने कहा है कि उन्होंने तीन भारतीय विमानों के नुकसान के सबूत देखे हैं, जिनमें एक मिराज 2000, एक स्ह्व-30 और एक राफेल फाइटर जेट हैं। लेकिन उन्होंने कहा है कि भारत ने अपना राफेल पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध के दौरान नहीं खोया, यानि पाकिस्तान लड़ाकू विमानों ने राफेल को नहीं गिराया, बल्कि राफेल गिरने की असल वजह टेक्निकल है। फ्रांसीसी एयरफोर्स चीफ ने कहा है कि आठ देशों को राफेल लड़ाकू विमान बेचे गये हैं और ये पहली बार है जब राफेल एयरक्राफ्ट को नुकसान हुआ है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय वायुसेना के अधिकारियों ने ये तो स्वीकार किया है कि उसके कुछ विमान गिरे हैं, लेकिन अभी तक ये बताने से परहेज किया है कि कितने विमान गिरे हैं और गिरने वाले विमान कौन कौन से हैं।

पदोन्नति के नए व पुराने नियमों का ब्यौरा तलब

पदोन्नति पर ब्रेक: फिर बिना प्रमोशन रिटायर होने वाले हैं 5 हजार कर्मचारी

भोपाल दोपहर मेट्रो

मप्र में अधिकारी, कर्मचारियों अभी पदोन्नति के रास्ते खुलने की राहत भी महसूस नहीं कर पाए थे कि बरसों बाद जागी पदोन्नति मिलने की उम्मीदों पर फिर गया। आज से मंत्रालय में सीआर लिखने, पदोन्नति के लिए शासकीय सेवकों से सहमति लिए जाने, विभागों में डीपीसी की बैठकें करने जैसी सभी कार्रवाई पर ठहराव साफ नजर आ रहा है। कर्मचारी घोषित तौर पर तो अब कुछ नहीं कह रहे लेकिन सपाक्स व अजाक्स संगठन पदाधिकारी एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

दरअसल, कर्मचारियों ने ही हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और नए नियमों को चुनौती दे दी। अब हाईकोर्ट के आदेश पर पदोन्नति के नए व पुराने नियमों की तुलनात्मक रिपोर्ट पेश होने तक इंतजार की मजबूरी आ गई है। कोर्ट ने कहा है कि तब तक पदोन्नति के आदेश जारी न करें, लेकिन पदोन्नति की तैयारियां चलने दें, इसमें कोई रोक नहीं है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 से प्रदेश में पदोन्नति नहीं हुई हैं। जिसकी वजह से डेढ़ लाख अधिकारी, कर्मचारी बिना पदोन्नत हुए ही रिटायर हो गए। अब तेजी से रिटायरमेंट जारी है। जैसे-जैसे देरी होगी, अधिकारी, कर्मचारी बगैर पदोन्नति के सेवानिवृत्त होते जाएंगे।

हालांकि गत माह नये नियम आने के बाद साप्रवि ने चतुर्थ श्रेणी कर्मियों पदोन्नति देने के लिए विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक कर ली। लोक निर्माण ने एसई को लेकर बैठकें की तो वाणिज्यकर व निर्वाचन आयोग भी कुछ संवर्गों के लिए अलग-अलग बैठकें कर चुका। निर्वाचन में तो पदोन्नति संबंधी कुछ आदेश भी जारी कर दिए थे। जबकि स्कूल शिक्षा जैसे कई विभागों ने सहमति लेने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। वहीं जिन विभागों में शासकीय सेवकों की गोपनीय चरित्रावली (सीआर) पूरी करने संबंधी प्रक्रिया अधूरी थी, उनमें भी अतिरिक्त काम हो रहे हैं। इस बीच हाईकोर्ट में मामले को कर्मचारियों की ओर से मिली चुनौती के चलते एक बार फिर अधिकारी, कर्मचारियों में निराशा है। अब 30 जुलाई तक यही हाल रहे तो तब तक बगैर पदोन्नति के 5000 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इसके पहले एक सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

31 जुलाई की डेडलाइन तय थी

सभी विभागों को पहले चरण के तहत 31 जुलाई तक पदोन्नति देने मुख्यसचिव ने निर्देश दिये थे। यह भी कहा था कि पदोन्नति संबंधी जितने प्रकरण निपट जाए, उतने निपटा लें। शेष शासकीय सेवकों के लिए सितंबर-अक्टूबर में बैठकें करें। सरकार ने नौ साल से लंबित पदोन्नति संबंधी मामलों में तेजी लाने के लिए इस वर्ष दो बार डीपीसी करने का निर्णय लिया है।

ट्रेड डील: 14 देशों पर टैरिफ बम के बाद भारत में सस्पेंस

वाशिंगटन एजेंसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्लोबल टैरिफ बढ़ाने की अंतिम तारीख 9 जुलाई से बढ़ाकर 1 अगस्त कर दी है। हालांकि उन्होंने बांग्लादेश-जापान समेत 14 देशों को ट्रेड लेटर भेजकर टैरिफ बम फोड़ दिया है। इसके चलते भारत के प्रति अमेरिका के कारोबारी रूख को लेकर सस्पेंस बन गया है। भारत पर किसी तरह के टैरिफ का ऐलान अब तक नहीं किया है, बल्कि ट्रंप ने इंडिया यूएस डील को लेकर कहा है कि हम भारत के साथ सौदा करने के बेहद करीब है। उधर न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा है कि ट्रम्प इस हफ्ते कई देशों के साथ ट्रेड डील का ऐलान कर सकते हैं। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील बहुत करीब पहुंच चुकी है।

उल्लेखनीय है कि ट्रम्प प्रशासन ने कुछ देशों पर 25 फीसद टैक्स लगाया है, जबकि कुछ पर 30 से 40 प्रतिशत तक का भारी शुल्क है। दक्षिण कोरिया और जापान से आने वाले सामान पर अब 25 फीसदी लगेगा। अमेरिका ने कहा है कि टैक्स इसलिए जरूरी हैं, ताकि अमेरिका और इन देशों के बीच व्यापार में असंतुलन सुधारा जा सके। ट्रम्प ने अप्रैल में पहली बार सभी अमेरिकी आयात पर 10फीसदी बेसलाइन टैक्स और 60 देशों पर अलग-अलग टैक्स की बात की थी। उस घोषणा के बाद दुनियाभर के शेयर और बॉन्ड बाजारों में उथल-पुथल मच गई थी, इसलिए टैरिफ को कुछ समय के लिए टाल दिया ।

अमेरिका में सड़क हादसे में छह भारतीयों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में भारतीय मूल के छह लोगों की जान चली गई है। एक घटना डलास में हुई, जहां हैदराबाद के एक परिवार के चार सदस्यों की ट्रक से टक्कर के बाद उनकी कार में आग लगने से मौत हो गई। दूसरी घटना न्यूयॉर्क की है, जिसमें क्लीवलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी के दो भारतीय छात्रों ने रोड एक्सीडेंट में अपनी जान गंवा दी। हैदराबाद के वेंकट, तेजस्विनी और उनके दो बच्चों की दर्दनाक मौत उस वक्त हो गई जब वे अटलांटा में अपने रिश्तेदारों से मिलकर लौट रहे थे। अमेरिका में छुट्टियां मना रहे इस परिवार की कार में एक ट्रक की टक्कर इतना भयानक थी कि कार में तुरंत आग लग गई। भारतीय दूतावास के मुताबिक, शवों को जल्द ही भारत लाकर हैदराबाद में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

इज़रायली हमलों में मरने वालों की संख्या 1,100 हुई : ईरान

तेहरान। ईरान पर 13 से 24 जून के बीच इजरायल की ओर से किये गये हमलों में मरने वालों की सं या 1,060 तक पहुँच गयी है। यह जानकारी ईरान के शहीदों एवं वयोवृद्धों के मामलों के फाउंडेशन के प्रमुख सईद ओहादी ने दी है। उन्होंने सोमवार को आईआरआईबी टीवी को दिये साक्षात्कार में कहा कि गंभीर रूप से घायलों और अज्ञात शवों को देखते हुए यह सं या और बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि इजरायल ने 13 जून को ईरान के परमाणु और सैन्य स्थलों को निशाना बनाते हुए कई बड़े हवाई हमले किये थे, जिसमें वरिष्ठ कमांडरों, परमाणु वैज्ञानिकों और नागरिकों की मौत हुयी थी और कई अन्य घायल हुए थे। वहीं, ईरान ने इजरायली क्षेत्र पर मिसाइल और ड्रोन हमलों से जवाबी कार्रवाई की, जिससे इजरायल को काफी क्षति पहुंची थी। दोनों देशों के बीच 24 जून को युद्धविराम हुआ, जिससे 12 दिनों की अवधि समाप्त हो गयी है।

अशोकनगर में कांग्रेस नेताओं का जमावडा, गिरफ्तारी देंगे

अशोकनगर। मप्र कांग्रेस का न्याय सत्याग्रह आंदोलन आज यहां जारी है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी आज गिरफ्तारी देंगे। उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और विधायक जयवर्धन सिंह सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता सभा में शामिल है। पटवारी पर मुंगावली थाने में दर्ज एफआईआर के विरोध में यह आंदोलन किया जा रहा है। कांग्रेस की सभा के लिए पुरानी कृषि उपज मंडी को स्थल बनाया गया है। कांग्रेस ने दावा किया है कि इस आंदोलन में 15 हजार लोग शामिल होंगे। वहीं प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के वाहनों की गुना में चेकिंग की जा रही है। पुलिस यहां वाहनों के नंबर और सवार लोगों के नाम दर्ज कर रही है। यहां से गुजर रहे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पुलिस से कहा कि, हम क्या बम, हथियार, मिसाइल लेकर जा रहे हैं। क्यों परेशान कर रहे हो।

मध्यप्रदेश में जबरदस्त बारिश

मानसून मेहरबान.. देश में अब तक 15 फीसद अधिक बारिश

नई दिल्ली/भोपाल,दोपहर मेट्रो।

देशभर में दक्षिण-पश्चिम मानसून कहीं कहीं डराने लगा है। मानसून सीजन में अब तक सामान्य से 15 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। इस समय तक 221.6 मिमी बारिश होनी थी, लेकिन 254 तक पहुंच चुकी है। मध्यप्रदेश में लगातार हो रही बारिश से बालाघाट, मंडला, सिवनी, इटारसी और कटनी समेत कई जिलों में बाढ़ के हालात हैं। अनूपपुर में पुल टूटने से कार बह गई। इसमें पति-पत्नी और 2 बच्चों की मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश में बीते तेज बारिश के चलते 14 लोगों की मौत हुई है, जबकि 28 लापता हैं। हालांकि, वहां अब मौसम सामान्य हो गया है। उत्तराखंड के पीपलकोटी में बद्रीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड से रास्ता बंद हो गया है। देहरादून में घरों में पानी घुस गया है। छत्तीसगढ़ में पिछले 3 दिनों से जोरदार बारिश हो रही है। बिलासपुर में कई इलाके डूबे हैं। इधर, राजस्थान के 20 से ज्यादा जिलों बारिश जारी है। दौसा में दीवार ढहने से महिला की मौत हो गई।

नर्मदा खतरे के निशान से ऊपर

मध्यप्रदेश में लगातार तेज बारिश से नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। मंडला, डिंडौरी, श्योपुर, शहडोल, उमरिया समेत कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 7 जिलों में बाढ़ का खतरा है। मौसम विभाग ने अति भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। बैतूल जिले के सारणी में सतपुड़ा डैम के 7 गेट खोल दिए गए हैं।

कल भारत बंद, बैंक-डाक सेवा भी होंगी प्रभावित

नई दिल्ली। देशभर में कल 9 जुलाई को भारत बंद का ऐलान किया गया है। यह बंद 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने मिलकर बुलाया है। इनमें बैंक, बीमा, डाक, कोयला खदान, हाईवे और कंस्ट्रक्शन जैसे सेक्टरों के 25 करोड़ से ज्यादा कर्मचारियों के शामिल होने की उम्मीद है।

यूनियनों का कहना है कि सरकार की नीतियां कंपनियों को फायदा पहुंचाने वाली और मजदूरों के खिलाफ हैं। ग्रामीण भारत से किसान और खेतिहर मजदूर भी इस बंद में शामिल होंगे। इस हड़ताल से कई क्षेत्रों पर असर पड़ने की आशंका है। इनमें बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं,डाक विभाग, कोयला खनन और कारखाने, राज्य परिवहन सेवाएं, सरकारी कार्यालय शामिल हैं। एनएमडीसी और स्टील व खनिज क्षेत्रों की कई सरकारी कंपनियों के कर्मचारियों ने भी हड़ताल में शामिल होने की पुष्टि की है।

एक्शन में पुलिस, कई जगह छापेमारी

खेमका हत्याकांड में हथियार देने वाले आरोपी का एनकाउंटर

पटना एजेंसी

बिहार के बड़े कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या से जुड़े एक संदिग्ध विकास उर्फ राजा का पटना सिटी में आज तड़के 4 बजे एनकाउंटर कर दिया गया। पुलिस उससे पूछताछ करने पहुंची थी लेकिन उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में वह मारा गया। घटनास्थल से एक पिस्टल, गोली और खोखा बरामद किया गया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि राजा ने ही शूटर उमेश यादव को हथियार दिया था। उसका खेमका हत्याकांड मामले से सीधा कनेक्शन सामने नहीं आया है। उस पर पहले से कई मामले दर्ज थे। कई हत्याओं में उसका नाम सामने आ चुका था। वह शूटर भी था। इससे पहले कल पुलिस ने शूटर उमेश उर्फ विजय को मालसलामी इलाके से ही गिरफ्तार किया था। उसने बताया कि 10 लाख में खेमका के मर्डर की सुपारी दी गई थी। एक लाख रुपए एडवांस मिला था। पुलिस ने गंगा किनारे के इलाके से हथियार भी बरामद कर लिया है। उमेश की निशानदेही पर गोपाल खेमका मर्डर केस में कोतवाली थाना इलाके के उदयगिरी अपार्टमेंट में पुलिस और स्ञ्जस्न ने रेड की है। यहां से 3 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

मेट्रो एंकर | पत्र के बाद अब पूर्व सीजेआई ने बताई सरकारी बंगला न खाली करने की वजहें

बेटियों के इर्दगिर्द चंद्रचूड़ की दुनिया, बंगले में आईसीयू

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का दिल्ली वाला सरकारी बंगला इन दिनों चर्चा में हैं, यह उन्होंने रिटायरमेंट के बाद भी खाली नहीं किया है। इस पर चंद्रचूड़ ने मजबूरी अब जाहिर की है। उनका कहना है कि उनकी दोनों बेटियों लाइलाज बीमारी से पीड़ित हैं। एम्स और पीजीआई चंडीगढ़ के डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी करती हैं और इसी बंगले में आईसीयू बनाया गया है। एक न्यूज चैनल से बातचीत में पूर्व सीजेआई ने कहा कि बेटी प्रियंका और माही को नेमालाइन मायोपैथी नामक एक दुर्लभ आनुवंशिक विकार है, जो शरीर की मांसपेशियों को प्रभावित करता है। इस विकार का वर्तमान में दुनिया में कहीं भी कोई उपचार या इलाज नहीं है। यह विकार श्वसन प्रणाली को गंभीर रूप से प्रभावित करता है तथा सांस व बोलने से संबंधित समस्याओं का कारण बनता है व सभी अंगों को नुकसान पहुंचाता है। चंद्रचूड का कहना है कि उनकी स्थिति के अनुसार बाथरूम सहित घर में बदलाव किया गया है। चिकित्सक और परामर्शदाताओं सहित स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की एक टीम हर दिन या साप्ताहिक आधार पर एक साथ काम करती है। जस्टिस चंद्रचूड ने बताया कि प्रियंका दिसंबर 2021 से श्वसन सहायता पर है और उसकी एक ट्रेकियोस्टोमी ट्यूब एक बिपैप मशीन से जुड़ी हुई है। उसे तेरह साल की उम्र में पीजीआई चंडीगढ़ में तीन बार वेंटिलेटर पर रखा गया था।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ से उनका सरकारी आवास खाली करने को कहा है। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक पत्र भी लिखा है। इस पत्र में आग्रह किया गया है कि सरकार पूर्व सीजेआई से उनका पुराना आवास खाली करने का आग्रह करे।

बच्चों के लिए यात्रा से भी परहेज

जस्टिस चंद्रचूड ने कहा कि हम माता-पिता के लिए, दुनिया उनके कल्याण के इर्द-गिर्द घूमती है। अपनी पत्नी को लेकर उन्होंने कहा कि कल्पना ने दुनिया भर के विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों और देखभाल करने वालों से संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया है। वह इलाज खोजने के प्रयास में वर्तमान शोध का सक्रिय रूप से अनुसरण कर रही है। हम बच्चों के बिना एक साथ यात्रा करने से बचते हैं। माता-पिता के रूप में हम उनके जीवन को सार्थक, मजेदार बनाने की कोशिश करते हैं और ऐसा माहौल बनाते हैं जहां वे एक संपूर्ण जीवन जीते हैं। उन्होंने बताया कि बच्चियां 11 बिल्लियों को भी पाल रही हैं

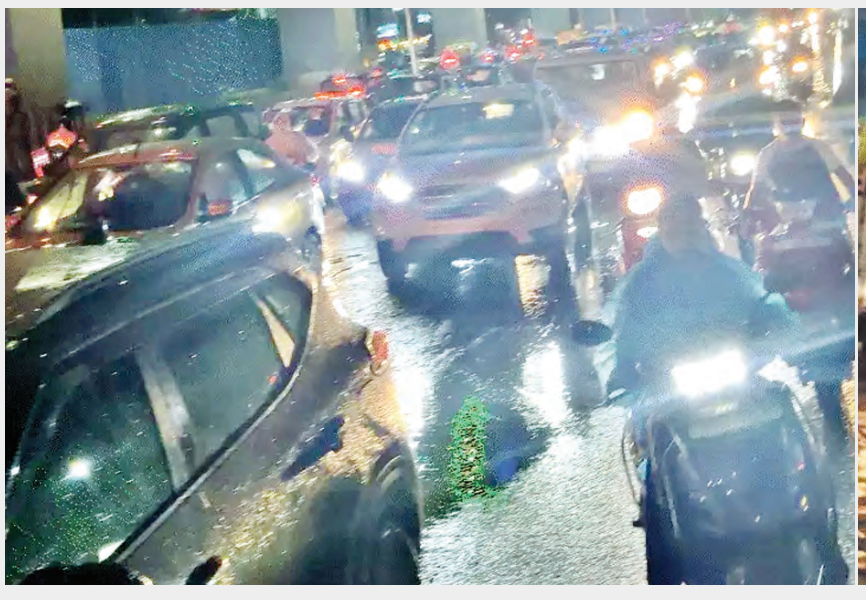

घर पहुंचने की जद्दोजहद... फिर बारिश फिर जाम

भोपाल। राजधानी में बारिश में हर बार उभरने वाला दृश्य कल फिर नजर आया और लोग देर रात तक घर पहुंचने की जद्दोजहद करते रहे। वजह यह कि मुख्य सडकों ऐसा जाम लगा कि अन्य सडके भी जाम हो गईं। दरअसल दोपहर से तेज बारिश के बाद शाम को दफ्तरों के छूटने का वक्त हुआ तो एमपी नगर जोन-1 से लेकर जीजी फ्लाईओवर और रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने तक करीब 40 मिनट से ज्यादा समय तक घंटे भर तक ट्रैफिक जाम की स्थिति रही। फ्लाईओवर पर जाम में एंबुलेंस भी फंसी दिखी। राहगीरों के साथ-साथ ऑफिस टाइम में लौट रहे वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हबीबगंज नाके तक वाहन रेंगते नजर आए। जीजी फ्लाईओवर के अंत में, यानी हबीबगंज नाके के पास बारिश का पानी भर जाने से गाड़ियां धीमी हुईं और ट्रैफिक जाम लग गया। बारिश की वजह से सड़क पर फिसलन और जलभराव ने हालात को और बिगाड़ दिया। यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई।

आरोप-लीज पर दे रहा भेल

खेल-दशहरा मैदान पर भेल की नजर पड़ने से भड़के लोग पहुंचे मंत्री के पास

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी के भेल क्षेत्र में बरखेड़ा एफ सेक्टर स्थित बाबूलाल गौर खेल एवं दशहरा मैदान के अधिग्रहण के विरोध में लोग खडे हो रहे हैं। इनमें कई लोग स्थानीय विधाकय व मंत्री कृष्णा गौर के बंगले पर पहुंच गए। उन्होंने कहा कि भेल ने बाउंड्रीवॉल बनाकर मैदान को लीज पर दे दिया। मंत्री गौर ने इस मामले में भेल प्रबंधन से चर्चा करने की बात कही है।

जानकारी के मुताबिक भेल युवा संगम समिति के बैनरतले लोग मंत्री के बंगले पर पहुंचे थे। पूर्व पार्षद केवल मिश्रा ने बताया कि पिछले 10 साल से मैदान पर सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन भी किए जा रहे हैं। वहीं, क्रिकेट, कबड्डी, वालीबॉल टूर्नामेंट भी होते हैं। पहले मैदान उबड़-खाबड़ था, जिसे लोगों ने मिलकर 300-400 ट्रक मिट्?टी डालकर समतल किया। इसी मैदान का अधिग्रहण भेल प्रबंधन ने किया है, जो ठीक नहीं है। नाराज लोगों ने कहा कि भेल ने इस मैदान को बाउंड्रीवॉल बनाकर लीज पर दे दिया है। जिसका विरोध रहवासी लगातार कर रहे हैं। मंत्री से मिलकर उन्हें अपनी समस्याएं बताई गईं। मंत्री गौर ने रहवासियों को आश्वासन दिया कि वे भेल प्रशासन से बात करेंगी। वहीं रहवासियों का कहना है कि अगर उनकी समस्या का निराकरण नहीं किया जाता है तो वो उग्र प्रदर्शन और आंदोलन करने को मजबूर हो जाएंगे।

उधर कल मंत्री बंगले पर घेराव की जानकारी मिलते ही पुलिस अलर्ट हो गई। बंगले के बाहर पुलिसकर्मी तैनात किए गए। ताकि, कोई किसी प्रकार का हंगामा न कर सके।

नए गोल्फकार्ट खरीदे, जानवरों को शोर से बचाने का इरादा

शांति के लिए... अब वन विहार को नो-व्हीकल जोन बनाने की तैयारी

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी में अपनी तरह का अनूठा वन विहार जल्द देश के प्रसिद्ध नंदन कानन जूलॉजिकल पार्क की तर्ज पर कुछ प्रयोग करने जा रहा है। वन विहार नेशनल को भुवनेश्वर ने नंदन कानन की तरह नो व्हीकल जोन बनाने की दिशा में काम आगे बढ़ रहा है। इसका उद्देश्य वन्य प्राणियों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और पर्यटकों को स्वच्छ वातावरण देना है। बताया जाता है कि वन विहार प्रबंधन ने पर्यटकों की सुविधा के लिए चार नई गोल्फ कार्ट खरीद ली हैं, जबकि एक पहले से मौजूद है। जबकि करीब 10 गोल्फ कार्ट पीपीपी मोड पर संचालित की जा रही हैं, साथ ही 110 साइकिल भी पर्यटकों के लिए उपलब्ध हैं, जिनसे वे डिस्प्ले बाड़ों में वन्य प्राणियों को देख सकेंगे।

अब जो नया प्लान बनाया गया है उसके तहत नो व्हीकल जोन बनने के बाद पार्क के प्रवेश द्वार से भीतर निजी वाहन नहीं जा सकेंगे। केवल वन विहार की गोल्फ कार्ट, रेंटल साइकिल और सफारी व्हीकल ही चलेंगे। इससे वन विहार के भीतर वातावरण शांत रहेगा और वन्य प्राणियों को शोर से राहत मिलेगी। वन विहार ने इसका प्रस्ताव वाइल्ड लाइफ मुख्यालय को भेजा है। वन विहार प्रबंधन का फैसला है कि भविष्य में पार्क में किसी भी निजी या

पेट्रोल-डीजल वाहन को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। आगंतुकों के लिए केवल बैटरी से चलने वाली गोल्फ कार्ट और रेंटल साइकिल उपलब्ध कराई जाएंगी। पार्क में नए साइनेज, ट्रैक और विश्राम स्थल भी बनाए जा रहे हैं ताकि भ्रमण में कोई असुविधा न हो। इसके पहले कई बार पर्यटकों द्वारा वन्य प्राणियों के पास जाकर जंक फूड खिलाने, तेज रफ्तार या स्टंट करने जैसी घटनाएं पार्क में हुई हैं, जिनमें एक हिरण की वाहन की चपेट में आने से मौत का मामला भी शामिल है। अफसरों का मानना है कि नो व्हीकल जोन बनने से ऐसी गतिविधियों पर लगाम लगेगी।

जेब्रा-जिराफ लाने की कवायद भी

इधर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में जल्द ही जेब्रा और जिराफ जैसे आकर्षक और दुर्लभ विदेशी प्राणी भी लाए जाने की कोशिशें जारी हैं। हालांकि यह योजना काफी पहले की है लेकिन अब इसमें गति आई है। वन विहार प्रबंधन अफ्रीका से इन प्राणियों को लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय टेंडर प्रक्रिया शुरू कर रहा है। इसके माध्यम से विशेषज्ञ एजेंसी को नियुक्त किया जाना है जो अफ्रीका के किसी देश से जेब्रा और जिराफ लाने की प्रक्रिया को पूरा करेगी। वन अफसरों का कहना है कि वनविहार में बबूल की प्रजातियों की पत्तियां, फल और फूल के पेड़-पौधे भी हैं, इसलिए यह जिराफ-जेब्रा के लिए अनुकूल माना गया है। तत्कालीन वन मंत्री विजय शाह काफी पहले ही अफ्रीका से जिराफ-जेब्रा लाने की बात कह चुके थे। अब जू-अथॉरिटी के निर्देशानुसार आगे की प्रोसेस की जा रही है। वर्तमान में, मध्य प्रदेश के किसी भी राष्ट्रीय उद्यान में जेब्रा और जिराफ नहीं हैं। यदि यह योजना सफल होती है, तो वन विहार ऐसा पार्क बन जाएगा जहां पर्यटक इन विदेशी जानवरों को करीब से देख सकेंगे।

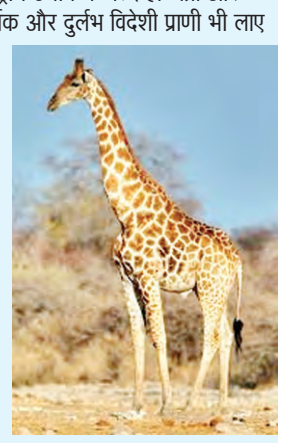

जूडा ने लगाया शिविर

स्वास्थ्य शिविर: युवाओं में मिली ब्लड प्रेशर एवं शुगर की समस्या

भोपाल दोपहर मेट्रो

जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन ने अब शहर की प्रेम नगर बस्ती में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया, जिससे क्षेत्र के 70 से अधिक निवासियों की जांच की गई। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बस्ती के लोगों को बुनियादी स्वास्थ्य जांच और परामर्श देना था। शिविर के दौरान, लाभार्थियों का रक्तचाप और शुगर स्तर की जांच की गई।

इस दौरान जांच में चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि कुल 15 रोगियों में उच्च रक्तचाप और शुगर की समस्या पाई गई। हैरानी की बात यह रही कि जहां शिविर में 5 साल के बच्चों से लेकर 74 साल के बुजुर्गों तक का चेकअप किया गया, वहीं ये 15 मरीज जिनकी आयु 35 से 50 वर्ष के बीच थी, इन्हीं में यह समस्या अधिक देखने को मिली। यह आंकड़ा इस आयु वर्ग में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बढ़ते खतरे की ओर इशारा करता है। इस मौके पर जूडा अध्यक्ष डॉ. कुलदीप गुप्ता ने बताया कि शिविर में उच्च रक्तचाप और शुगर को नियंत्रित करने के लिए खान-पान प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया। डॉक्टरों ने मरीजों को उचित आहार और जीवनशैली में बदलाव के बारे में विस्तार से समझाया। इसके अतिरिक्त, महिलाओं में रक्त की कमी (एनीमिया) को दूर करने के लिए संतुलित आहार के संबंध में महत्वपूर्ण परामर्श दिए गए।

बच्चों को कृमि (पेट के कीड़े) से बचाव के लिए दवाइयां भी पिलाई गईं, जो उनके स्वास्थ्य के लिए एक आवश्यक कदम है। इस स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में डॉ. पल्लवी, डॉ. प्रियल पांडे, डॉ. रश्मि और डॉ. गुरशरण सिंह सहित कई अन्य चिकित्सकों ने अपना योगदान दिया।

बच्चों को बांटे स्कूल बैग, दिखाई 'तारे ज़मीन पर' और रोपे पौधे

हिरदाराम नगर। गुरु नानक मंडल ने शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती बाल निकेतन अनाथालय के बच्चों के साथ मनाई। मंडल के कार्यकर्ताओं ने बच्चों के साथ 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधे भी रोपे। इस अवसर पर बच्चों को 'तारे ज़मीन पर' फिल्म दिखाई गई, जिससे उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। इसके साथ ही, बच्चों को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन परिचय पर आधारित किताबें भेंट की गईं और नए शैक्षणिक सत्र के लिए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए स्कूल बैग भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में मंडल के अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक महान शिक्षाविद् और देशभक्त थे। उनके आदर्श और विचार आज भी हमें प्रेरित करते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी डॉ. मुखर्जी का अमूल्य योगदान रहा है।' इस कार्यक्रम में राजा शर्मा, नरेंद्र ठाकुर, संदीप कल्याणे, यतिन मकवाना, सुनील सराठे, गोरधन अहिरवार, सुकांति ठाकुरिया, कुसुम हिरवे, चंदू यादव, जितेंद्र डागोर सहित सभी उपस्थित लोगों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पुष्पांजलि अर्पित की

सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान, बच्चों ने ली शपथ

हिरदाराम नगर। साधु वासवानी स्कूल में नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को बीमारियों के संक्रमण से बचने के टिप्स दिए गए। हाथों की सफाई की 6 प्रक्रियाओं से अवगत करवाया गया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी जी ने कहा कि बारिश में संक्रमण बहुत तेजी से फैलता है और कई प्रकार की बीमारियां जैसे वायरल फीवर, खांसी, जुकाम फैल रही है इससे बचाव हेतु घरों में पानी जमा न होने दें एवं हाथों को अच्छी तरह से धोकर खाना खाएं मच्छरों की रोकथाम का पर्याप्त साधन होना चाहिए इससे बीमारियों से बचा जा सकता है। इस अवसर पर नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा विद्यार्थियों को स्वच्छता अपनाएंगें, हाथों को अच्छी तरह से धोएंगें एवं अपने आसपास के लोगों को भी सफाई के प्रति जागरुक करेंगें ताकि सभी स्वच्छता अपनाकर स्वस्थ रहें शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर दीपा आहूजा, के.एस. मूर्ति व शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

'एक पेड़ मां के नाम'

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत गुलमोहर कॉलोनी में पार्षद सुषमा बाबीसा, कर्मचारी नेता व समाज सेवी अजय श्रीवास्तव नीलू, पूर्व पार्षद हीरवे,राहुल यति आदि ने शहीद अजय यादव पार्क में वक्षारोपण कार्य किया।

मैट्रो एंकर | गौतम की सफलता परिषद के सहयोग और मार्गदर्शन का परिणाम

नव युवक परिषद् के छात्र गौतम सेना में अधिकारी बने

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

नव युवक परिषद् के होनहार छात्र गौतम भंभानी के भारतीय सेना में एक कमीशंड अधिकारी बने हैं। उनकी सफलता परिषद के मार्गदर्शन एवं सहयोग का प्रत्यक्ष परिणाम है, जो भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं को गढ़ने में परिषद् की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है।

गौतम भंभानी की यह यात्रा, परिषद के एक प्रायोजित छात्र से भारतीय सेना में एक प्रतिष्ठित अधिकारी बनने तक, उनके स्वयं के अटूट समर्पण और परिषद के उस गहन संकल्प का जीवंत प्रमाण है जिसके तहत प्रतिभावान किंतु वंचित युवाओं को सशक्त बनाया जाता है। उनकी यह नियुक्ति केवल उनके लिए ही नहीं, बल्कि नव युवक परिषद् के लिए भी एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। यह इस बात की पुष्टि करती है कि परिषद् देश सेवा में अपना योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके अंतर्गत वह प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर उन्हें सेना सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के अवसर प्रदान करती है।

नव युवक परिषद: एक दशक पुराना सेवा भाव

नव युवक परिषद् एक प्रतिष्ठित गैर-लाभकारी संस्था है, जिसकी स्थापना परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी के पावन आशीर्वाद से हुई थी। यह संस्था वर्तमान में पूज्य सिद्ध भाऊ जी के सक्षम और प्रेरणादायक मार्गदर्शन में संचालित हो रही है। परिषद वंचित छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सहायता प्रदान करने, प्रतिभावान युवाओं के करियर विकास को समर्थन देने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए समर्पित है।

साल 1978 में स्थापना

वर्ष 1978 में अपनी स्थापना के बाद से, परिषद् ने विश्वभर के उदारदाताओं के अमूल्य सहयोग से 12,000 से अधिक छात्रों को शिक्षित कर उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाए हैं। परिषद् द्वारा छात्रों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं में स्कूल फीस का भुगतान, यूनिफॉर्म, पाठ्यपुस्तकें, कॉपियाँ, स्टेशनरी और सभी विषयों की निःशुल्क कोचिंग शामिल हैं। इस पुनीत मिशन में 300 से अधिक समर्पित स्वयंसेवक निस्वार्थ भाव से जुड़े हुए हैं, जो परिषद् के उद्देश्यों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

लुधियाना इंटरैक्टिव सेशन में मिले 15,606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश का आर्थिक तंत्र मजबूत हुआ है। देश में औद्योगीकरण बढ़ा है, अब हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। लुधियाना भारत का मैन्चेस्टर है। यहां के उद्योगपतियों ने बड़ी मेहनत से अपनी पहचान बनाई है। लुधियाना में निर्मित ए-वन और हीरो साइकिल्स देश-दुनिया में मशहूर हैं। पंजाब के निवेशक देश की आर्थिक समृद्धि में योगदान देने वाले प्रमुख ध्वजवाहक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज लुधियाना में हुये इंटरैक्टिव सेशन, वन-टू-वन चर्चा और संवाद सत्रों में यहां के उद्योगपतियों से 15 हजार 606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं, जिससे 20 हजार से अधिक रोजगार का सृजन होगा।

कॉलेजों में पीजी कक्षाओं में प्रवेश की तिथि बढ़ी

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2025-26 में, महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में वृद्धि की है। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर सत्र 2025-26 में ऑनलाइन प्रवेश अंतर्गत सीएलसी चरण के लिए अद्यतन समय सारणी जारी की गई है। जारी समय सारणी के अनुसार, सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर कक्षाओं में मेजर माइनर विषयों में एवं मेजर एवं माइनर विषय के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी, 7 से 10 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन/आवेदन कर सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 7 से 11 जुलाई तक होगा। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को साक्षात्कार के दिनांक, स्थान एवं समय की सूचना 14 जुलाई को दी जाएगी।

निजी भूमि अधिग्रहण में मदद करेंगे,: रिटायर्ड आरआई व पटवारी भी संविदा पर भर्ती होंगे

रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टरों को एनएच पर तैनात करने की हो रही तैयारी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र में राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़कों के निर्माण में तेजी आने के आसार बंधे हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़कों के निर्माण में तेजी लाने और भूमि अधिग्रहण में होने वाली देरी को गंभीरता से लेते हुए इसके लिए राजस्व विभाग के रिटायर्ड राजस्व अधिकारियों की सेवा लेने के निर्देश दिए हैं। इसके चलते अब प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की सड़कों के लिए निजी भूमि अधिग्रहण को लेकर सरकार रिटायर्ड अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी की नियुक्ति करेगी।

बताया जाता है कि यह रिटायर्ड रेवेन्यू ऑफिसर्स की यह नियुक्तियां संविदा पर एक साल के लिए होंगी तथा इन रिटायर्ड अधिकारी को भूमि अर्जित किए जाने के बाद मुआवजा देने की प्रक्रिया और भूमि का कब्जा दिलाने में भी सरकार की मदद करना होगी। इसके लिए 15 जुलाई तक आवेदन बुलाए गए हैं। यह नियुक्तियां भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, सागर और रीवा में की जाएंगी। संविदा नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले रिटायर्ड अफसर राजधानी के मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र निर्माण भवन में आवेदन कर सकेंगे। इनका सिलेक्शन करने के लिए विभाग के अफसर इन्हें साक्षात्कार के लिए बुलाएंगे।

त्वरित कार्रवाई के लिए की जा रही तैनाती

जानकारी के मुताबिक राजस्व विभाग के कामकाज में राष्ट्रीय राजमार्ग के इंजीनियरों को भूमि अर्जन संबंधी कामों में होने वाली दिक्कतों के मद्देनजर त्वरित कार्रवाई के लिए यह नियुक्तियां की जा रही हैं। आवेदनकर्ता रिटायर्ड अफसर की उम्र एक जुलाई को 65 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। रिटायर्ड रेवेन्यू अफसर को चयनित किए जाने पर पदस्थापना उसी शहर में दिए जाने को प्राथमिकता दी जाएगी। जिस शहर में वे रह रहे हैं। जो भी रिटायर्ड अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर नियुक्त किए जाएंगे। उन्हें लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग चीफ इंजीनियर की ओर से अलग-अलग काम सौंपे जाएंगे। ये रिटायर्ड अफसर राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माणाधीन कार्यों एवं एनआईपी (नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर पाइप लाइन में प्रस्तावित कार्यों के लिए निजी भूमि के भू-अर्जन का काम कराएंगे। अलग-अलग स्टेज में होने वाले काम के लिए संभागों में पदस्थ कार्यपालन यंत्री एवं रिटायर्ड राजस्व अधिकारी रिव्यू मीटिंग कर तय समय अवधि में राष्ट्रीय राजमार्ग भू-अर्जन अधिनियम- 1956 के अंतर्गत नोटिफिकेशन के आधार पर अवॉर्ड जारी कराएंगे।

यहां मिलेगी नियुक्ति

लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग सर्किल निर्माण भवन में एक पद रिटायर्ड अपर कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर। एनएचएआई संभाग भोपाल में एक पद रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर या तहसीलदार और एक पद रिटायर राजस्व निरीक्षक या पटवारी। एनएचएआई संभाग इंदौर एक पद रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर या तहसीलदार और एक पद रिटायर्ड राजस्व निरीक्षक या पटवारी। इसी तरह ग्वालियर,जबलपुर में भी नियुक्ति होंगी।

वेतन व भत्ते की पात्रता

बताया जाता है कि इन्हें 2016 के सर्कुलर के आधार पर वेतन भत्तों का लाभ दिया जाएगा। अधिकारियों को अंतिम वेतन एवं पेंशन का भुगतान के अंतर की राशि का भुगतान वेतन के रूप में किया जाएगा। उन्हें किसी प्रकार के भत्तों की पात्रता नहीं होगी। कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा, लेकिन पांच हजार रुपए हर माह उनके स्वयं के वाहन से वरिष्ठ कार्यालय, अधिकारी भू-अर्जन के कार्यालय, कार्य स्थल एवं गांवों में आने जाने के लिए दिए जाएंगे।

सपाक्स पार्टी झुग्गी मोर्चा के उपाध्यक्ष पीयूष प्रताप ने की पूर्व ईडी की शिकायतें

अब डॉ. पाण्डे पर बगैर अनुमति सरकारी खर्चे पर हवाई यात्रा का आरोप

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र जन अभियान परिषद में पूर्व कार्यपालक निदेशक डॉ. धीरेन्द्र कुमार पाण्डे पर प्रतिनियुक्ति पर आने के बाद भ्रष्टाचार आरोप लगाए गए हैं। मामले में सपाक्स पार्टी झुग्गी मोर्चा मप्र के प्रदेश उपाध्यक्ष पीयूष प्रताप सिंह द्वारा ईओडब्ल्यू सहित अलग-अलग जगह शिकायत की गई है। पीयूष प्रताप सिंह का आरोप है कि डॉ. पाण्डे ने परिषद के कुछ कर्मचारियों को अपना प्रभाव दिखाते हुए योजनाबद्ध तरीके से भ्रष्टाचार करने की योजना बनाई और अपना साथ देने वाले इन कर्मचारियों को भी आंशिक लाभ दिलाते रहे और सरकार को लाखों करोड़ों रुपयों का चूना लगाते रहे।

डॉ. पाण्डे ने सरकार के आदेष के खिलाफ जाकर फर्जी टैक्सी परमिट के बिलों को अपने कार्यालय में लगाकर अपने मित्र आरके ट्रेवल्स को लाखों रुपयों का भुगतान कर आर्थिक लाभ कमाया है। इन्होने फर्जी परमिट के आधार पर लाखों रुपयों का नियम विरुद्ध तरीके से भुगतान कराने में अपने अधीनस्थ कार्य करने वाले कर्मचारी लेखपाल उज्जवला तिडके, स्टोर सहायक निपेन्द्र साहू, प्रभारी प्रशासन डॉ. प्रवीण शर्मा और प्रभारी लेखपाल दरियाब सूर्यवंशी को शामिल कर लिया। डॉ. पाण्डे पर सरकारी खर्चे पर भोपाल से गुवाहाटी, इम्फाल, मेघालय और दिल्ली की हवाई यात्रा के आरोप भी लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता द्वारा शिकायतों के साथ अलग-अलग बिल भी संलग्न किए गए हैं। हालांकि मामले में डॉ. धीरेन्द्र कुमार पाण्डे से संपर्क नहीं हो सका।

मुख्य अभियंताओं की टीम ने प्रदेश के सात जिलों में निर्माण कार्यों का किया औचक निरीक्षण

भोपाल। लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु एक व्यापक कार्ययोजना के अंतर्गत 5 जुलाई 2025 को सात मुख्य अभियंताओं की टीमों ने हरदा, जबलपुर, गुना, खंडवा, सतना, शाजापुर एवं निवाड़ी जिलों में औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के लिए कुल 34 निर्माण कार्यों को रैंडम आधार पर चयनित किया गया। इनमें 14 कार्य लोक निर्माण विभाग (सड़क/पुल), 11 कार्य पी.आई.यू. (भवन), 6 कार्य मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, 2 कार्य म.प्र. भवन विकास निगम तथा 1 कार्य राष्ट्रीय राजमार्ग का शामिल था। निरीक्षण के बाद प्रतिवेदन की समीक्षा श्री आर.के. मेहरा, तकनीकी सलाहकार, म.प्र. सड़क विकास निगम की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई।

इंदौर में जुटेंगे बड़े बिल्डर-कारोबारी

रियल एस्टेट पर बढ़ा मप्र सरकार का फोकस, अब ग्रोथ कॉन्क्लेव 11 को

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्यप्रदेश सरकार अब रियल एस्टेट सेक्टर को शहरी विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिश में है और इसके लिए 11 जुलाई को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की थीम है- नेक्स्ट होराइजन-बिल्डिंग सिटीज ऑफ टुमारो। कॉन्क्लेव का मकसद शहरी इलाकों में निवेश बढ़ाना और भविष्य के शहरों की रूपरेखा तय करना है। आयोजन से पहले मुख्य सचिव अनुराग जैन रियल एस्टेट कारोबारियों के साथ बैठक भी कर चुके हैं।

बताया जाता है कि चूंकि प्रदेश में शहरों का तेजी से विस्तार हो रहा है, खासकर इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन जैसे टियर-2 और टियर-3 शहरों में सस्ती जमीन, कुशल श्रमिक और निवेश के अनुकूल नीतियां मौजूद हैं। प्रधानमंत्री गति-शक्ति, स्मार्ट सिटी और अमृत 2.0 जैसी योजनाएं इस विकास को और तेज़ कर रही हैं। सरकार को भरोसा है कि इस कॉन्क्लेव से रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश बढ़ेगा और शहरी विकास में निजी कंपनियां भी सक्रिय भागीदार बनेंगी।सरकार पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल को बढ़ावा दे रही है और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से करार की तैयारी चल रही है। सरकार का मानना है कि यह कॉन्क्लेव सिर्फ सड़कों और भवनों की बात नहीं करेगा, बल्कि डिजिटल, सामाजिक और आर्थिक विकास को भी आगे बढ़ाएगा। सरकार का भी मानना है कि प्रदेश की लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी बेहतर है, जिससे यहां नया शहरी इकोसिस्टम तैयार करने की संभावनाएं बढ़ रही हैं।

मेट्रो एंकर प्रदेश में पहली बार पौधरोपण के लिए अत्याधुनिक तकनीक का किया जाएगा उपयोग

ऐप के जरिए महिला हितग्राहियों का होगा चयन

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिये प्रदेश सरकार द्वारा महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत ÷एक बगिया मां के नाम÷ परियोजना शुरू की गई है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर फलोद्यान की बगिया विकसित की जाएगी। प्रदेश में ऐसा पहली बार होगा जब अत्याधुनिक तरीके पौधरोपण का कार्य किया जाएगा। ऐप के माध्यम से हितग्राहियों का चयन किया जाएगा। परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर मनरेगा परिषद ने तैयारी शुरू कर दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा इस संबंध में निर्देश भी जारी किए गए हैं।

एक बगिया मां के नाम परियोजना का लाभ लेने वाली आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह की महिला का चयन ÷एक बगिया मां के नाम÷ ऐप से किया जाएगा। मनरेगा परिषद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से ऐप का निर्माण किया गया है। अन्य किसी माध्यम से हितग्राही का चयन नहीं किया जाएगा। चयनित महिला हितग्राही के नाम पर भूमि नहीं होने की दशा में उस महिला के पति, पिता, ससुर और पुत्र की भूमि पर सहमति के आधार पर पौधरोपण किया जाएगा। एक बगिया माँ के नाम' परियोजना अंतर्गत प्रदेश की 30 हजार से अधिक स्व-सहायता समूह की महिलाओं को लाभ मिलेगा।

सॉफ्टवेयर बताएगा किस प्रजाति के पौधे के लिए है जमीन उपयोगी

एक बगिया मां के नाम परियोजना अंतर्गत पौधरोपण के लिए जमीन का चयन वैज्ञानिक पद्धति (सिपरी सॉफ्टवेयर) के माध्यम से किया जाएगा। जमीन चिन्हित होने के बाद सॉफ्टवेयर से भूमि का परीक्षण किया जाएगा। जलवायु के साथ ही किस जमीन पर कौन सा फलदार पौधा उपयुक्त है। पौधा कब और किस समय लगाया जाएगा। सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से यह पता लगाया जाएगा कि पौधों की सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी का स्त्रोत कहां उपलब्ध है। जमीन के उपयोगी नहीं पाए जाने पर पौधरोपण का कार्य नहीं होगा।

संपादकीय

शहरी परिवहन के मामले में बढ़ेगी दिक्कतें

आजकल शहरी परिवहन के लिये नये साधन के रूप में एप आधारित टैक्सी सेवा बडी जरूरत बन गई है और सहज रूप से लोग इसका इस्तेमाल भी करते हैं। शहरों-महानगरों में सार्वजनिक परिवहन की सीमाओं की वजह से आम आदमी आवश्यकता पड़ने पर ऐप आधारित कंपनियों के वाहनों से अपने गंतव्य तक आवाजाही कर लेता है लेकिन अब केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के नए दिशा-निर्देश लागू होने के बाद ऐसे वाहनों से सफर महंगा होने की स्थिति में अब लोगों को कई बार सोचना पड़ेगा। अव्वल तो व्यस्त समय को कारण बनाकर समान दूरी तक सफर के लिए दोगुना किराया लेना अनुचित है, फिर यह बेहद निराशाजनक है कि पहले ही महंगाई के बोझ से दबे आम लोगों पर किराए की मार के साथ-साथ बुकिंग रद्द कर देने पर जुर्माना लगाने का नियम भी सख्त कर दिया गया है। यह किसी भी दृष्टि से उचित नहीं। इससे यात्रियों के लिए मुश्किलें बढ़ जाएंगी, क्योंकि अक्सर ऐसा पाया गया है कि कैब कंपनियों की गाड़ियां समय पर नहीं आतीं। ऐसे में लोगों को विवश होकर अपनी बुकिंग रद्द करनी पड़ती है। वहीं चालकों की मनमानी किसी से छिपी नहीं है। वे कई बार यात्रा का डिजिटल भुगतान करने पर जोर देते हैं और पसंद का गंतव्य न मिलने पर खुद भी बुकिंग रद्द कर देते हैं। हालांकि अब ऐसे चालकों की नकेल कसने के लिए उन पर जुर्माने का प्रावधान किया गया है, लेकिन चिंता की बात यह है कि राज्य सरकारों को नए दिशा-निर्देश लागू करने की सलाह के बाद आम लोगों पर ही इसका आर्थिक बोझ बढ़ेगा। व्यस्त समय में किराया बढ़ाने का चलन नया नहीं है। मगर मूल्य निर्धारण का यह मनमाना तरीका आखिरकार यात्रियों की जेब पर भारी पड़ता है। कैब सेवा प्रदाता कंपनियों को दोगुना किराया लेने की अनुमति देने से पहले यात्रियों की शिकायतें सुनने और उन्हें दूर करने की जरूरत थी। हाल में आए एक सर्वेक्षण में आधे से अधिक यात्रियों का कहना है कि इन कंपनियों की सेवाएं बेहतर नहीं हैं। कई बार तो गाड़ियों के लिए देर तक इंतजार करना पड़ता है। वाहनों की साफ-सफाई और चालकों के खराब व्यवहार पर भी लोग प्राय-सवाल उठाते रहे हैं। अचानक किराया बढ़ा दिए जाने से लोग पहले ही परेशान थे। अब तो सीधे-सीधे लोगों की जेब से दोगुना किराया वसूलने की व्यवस्था थोप दी गई है। नए दिशा-निर्देश से आखिरकार आम लोगों को ही नुकसान होगा। यह सच है कि तमाम दावों के बाद भी लोगों की आय में वैसा इजाफा नहीं हो रहा है जिस तरह से जरूरतें और महंगाई बढ रही है। इसलिये बेहतर तो यह होता कि सरकार इस बारे में खूब विचार करती। अब लोग यदि एप आधारित इस सेवा से बचेंगे तो उनके पास सार्वजनिक परिवहन का मजबूत विकल्प भी नहीं है। ऐसे में कई बार मजबूरी में लोगो को अनचाहे ही इस मूल्यवृध्दि को भी झेलना पडेगा।

आज का इतिहास

8 जुलाई 1972 को सौरभ गांगुली का जन्म कोलकाता में हुआ था। वे भारत के महान बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। उन्होंने साल 1992 में भारतीय टीम के लिए वनडे डेब्यू और साल 1996 में टेस्ट डेब्यू किया था। इसके बाद बाएं हाथ के इस स्टार बल्लेबाज ने अपने करियर के दौरान कई शानदार पारियां खेली और ढेर सारे रन बनाए। उन्होंने कुल 113 टेस्ट मैचों और 311 वनडे मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने टेस्ट में 16 शतक और 35 अर्धशतक के साथ 7212 रन बनाए तथा वनडे 22 शतक और 72 अर्धशतकों के साथ 11363 रन बनाए हैं। इसके अलावा उन्होंने कप्तानी के रूप में भी भारतीय टीम को कई जीत दिलाई है। गांगुली ने 49 टेस्ट मैचों में कप्तानी करते हुए 21 जीत हासिल की, जिसमें भारत के बाहर 11 जीत शामिल थीं। वनडे में उन्होंने 146 मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की, जिसमें 76 में जीत मिली। गांगुली इंडियन प्रीमियर लीग में भी खेल चुके हैं। वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रहे हैं और उन्होंने क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया है।

- 1497 - पुर्तगाली नाविक वास्को द गामा ने यूरोप से भारत की प्रथम जलयात्रा आरंभ की। वो समुद्र से भारत की यात्रा करने वाले पहले यूरोपीय बने थे।
- 1792 - फ्रांस ने पर्शिया के खिलाफ युद्ध की घोषणा की गई थी।
- 1833 - रूस और तुर्की ने रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 1836 - आज ही के दिन महान वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन शोध करने सेंट हेलेना पर पहुंचे थे।
- 1889 - अमेरिकी अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल का प्रकाशन शुरू हुआ।
- 1912 - भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, राजनीतिज्ञ, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बनारसी दास का जन्म।
- 1914 - कम्युनिस्ट राजनीति के पितामह, वामपंथी नेता एवं पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद पर लंबे समय तक कार्यरत रहे ज्योति बसु का जन्म आज ही के दिन हुआ था.
- 2020 - भारतीय सिनेमा के मशहूर हास्य अभिनेता जगदीप का निधन आज ही के दिन हुआ था।
- 2021 - हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह का निधन।
- 1937 - तुर्की, ईरान, इराक और अफगानिस्तान ने सौदाबाद की संधि पर हस्ताक्षर किए।
- 1937 - हिन्दी के प्रसिद्ध उपन्यासकार, सशक्त कथाकार, नाटककार और आलोचक गिरिराज किशोर का जन्म।
- 1939 - भारतीय राजनीतिज्ञ गंगा प्रसाद का जन्म।
- 1948 - अमेरिकी वायुसेना में महिलाओं की भर्ती शुरू हुई।
- 1949 - आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी का जन्म।
- 1958 - हिन्दी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री नीतू सिंह का जन्म।
- 1963 - अमेरिका ने क्यूबा के साथ अपने सभी वित्तीय लेनदेन बंद किए थे।
- 1972 - भारतीय क्रिकेट कप्तान के रुप में टीम को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने वाले सौरव गांगुली का जन्म आज ही के दिन हुआ था.
- 1975 - म्यांमार के बगान में आए भूकंप में भारी जानमाल की छति हुई।
- 1980 - भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी चेतन आनंद का जन्म।
- 1981 - फ्रांस के प्रधानमंत्री मॉरिस ने बैंकों और कुछ बड़े उद्योगों का राष्ट्रीयकरण किया।
- 1991 - भारत की प्रसिद्ध पर्वतारोही अनीता कुंडू का जन्म।
- 1992 - थॉमस क्लेस्टिल आस्ट्रिया के राष्ट्रपति बने।
- 1994 - उत्तर कोरिया के तानाशाह और संस्थापक किम इल सुंग का निधन।
- 1994 - शिमाकी मुकाई जापान की प्रथम महिला अंतरिक्ष यात्री बनी।
- 2003 - सूडान में हुए विमान हादसे में 115 लोग मारे गये।
- 2007 - पूर्व प्रधानमंत्री एवं समाजवादी नेता चंद्रशेखर का निधन।
- 2016 - पाकिस्तान के विश्व प्रसिद्ध ईधी फाउंडेशन के संस्थापक अब्दुल सत्तार ईधी का निधन।

वोटर सूची के संशोधन संबंधी सवालों का शीघ्र हो समाधान

■ एसवाई कुरैशी

बिहार में विधानसभा चुनाव होने में कुछ माह ही बचे हैं, ऐसे वक्त मतदाता सूचियों में विशेष गहन संशोधन की घोषणा से राजनीतिक दलों में आशंकाएं हैं। इस कवायद का वक्त बिहार में इसे विवादास्पद बनाता है। बेशक, इरादा चुनावी डेटाबेस अपडेट करने का है। लेकिन पुराने कागजात पेश करने में व्यावहारिक मुश्किलें हैं। ऐसे में यकीनी बने कि हरेक नागरिक का वोट देने का अधिकार सुरक्षित रहे।

जब भारत के चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव से ऐन कुछ महीने पहले मतदाता सूचियों में विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) किए जाने की घोषणा कर दी, तो इससे राजनीतिक हलकों में कई तरह की आशंकाएं पैदा हो गई। हालांकि चुनाव आयोग इस कवायद का बचाव संवैधानिक अनिवार्यता बताकर कर रहा है। संविधान के अनुच्छेद 326 में यह जरूरी है कि केवल 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के भारतीय नागरिक ही मतदान के हकदार हैं। आयोग के मुताबिक, वर्तमान संशोधन का उद्देश्य सूचियों में सुधार करके यह प्रावधान यकीनी बनाना है। इस विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया के तहत 2003 की मतदाता सूचियों में जिनका नाम शामिल था, उन्हें सत्यापित मतदाता माना जाएगा। अतीत में भी चुनाव आयोग उन जगहों पर गहन संशोधन करने का आदेश देता आया है, जहां उसे मतदान सूची की विश्वसनीयता संदिग्ध या पुरानी लगे।हालांकि, जिन लोगों का नाम 2003 के बाद मतदाता सूची में शामिल हुआ है या जिन्होंने नाम कभी शामिल नहीं कराया- उन्हें अब नागरिकता की स्व-घोषणा और अन्य सहायक दस्तावेज जैसे जन्म प्रमाणपत्र या माता-पिता का प्रमाणपत्र जमा कराना होगा। इसके पीछे घोषित इरादा चुनावी डेटाबेस अपडेट व शुद्ध करना है। लेकिन, ईमानदार दिखने वाली अनेक अन्य प्रक्रियाओं की तरह यहां भी छिपी चतुराई विवरण में स्पष्ट हो जाती है।

मतदाता सूचियों को संशोधित करने का विचार नया नहीं है। वास्तव में, 2003 की कवायद के तुरंत बाद चुनाव आयोग ने कई पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू एवं कश्मीर में बड़े पैमाने पर गहन संशोधन प्रक्रिया चलाई थी। हालांकि, तब इन संशोधनों को चुनावों से ऐन पहले नहीं करवाया गया था, न ही चुनिंदा मतदाता समूहों के लिए अतिरिक्त दस्तावेजों की आवश्यकता थी। इससे पहले भी, बिहार सहित 20 अन्य राज्यों में चरणबद्ध तरीके से इसी किस्म की कवायद हुई थी। एसआईआर मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया का आधारभूत अवयव हैं - विशेषतया बड़े पैमाने पर हुई कवायदों में जैसे परिसीमन, किसी क्षेत्र में उथल-पुथल उपरांत शांतिकाल या डिजिटलीकरण।2003 व 2004 के बाद से वार्षिक सारांश संशोधन सामान्य प्रक्रिया बन गये। साल 2004 के बाद किसी भी राज्य को चुनाव आयोग के सचेत निर्णय चालित गहन संशोधन नहीं करना पड़ा, क्योंकि घर-घर सर्वेक्षण के अलावा वार्षिक सारांश रिपोर्ट पर्याप्त थी। स्थापित प्रथा से विचलन व जिस वक्त यह कवायद की जा रही है, वह बिहार में इसे विवादास्पद बनाता है।

निस्संदेह, मतदाता सूचियों को नियमित अपडेट किया जाना चाहिए - लेकिन बिहार जैसे बाढ़-ग्रस्त, उच्च-प्रवासन वाले राज्य में मतदान से बमुश्किल चार महीने पहले ऐसा करना इसे बहुत मुश्किल काम बनाता है। चिंता वैधता की नहीं; बल्कि व्यावहारिकता व कार्यान्वयन से उपजने वाली राजनीतिक दृश्यावली को लेकर है।

मूलतः, यह संशोधन प्रमाण पेश करने का भार मतदाता पर डाल रहा है। जिन लोगों के नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं हैं, उन्हें अब दस्तावेज़ी साक्ष्यों के साथ अपनी प्रमाणिकता साबित करनी होगी। सैद्धांतिक रूप में भले यह उचित लगता हो, किंतु व्यावहारिक पटल पर इससे उन लोगों को मताधिकार से वंचित करने का खतरा बन जाता है, जिनकी सरकारी कागजात पूरा करने की दरकारों में फंसने की गुंजाइश सबसे अधिक है, मसलन, प्रवासी मज़दूर, दलित, आदिवासी, शहरी ग़रीब, अल्पसंख्यक, बुजुर्ग और महिलाएं- जिनमें से अधिकांश के पास जन्मप्रमाण पत्र या माता-पिता के दस्तावेज़ नहीं। ऐसे लोगों के लिए उनका नाम पिछली मतदाता सूची में होना पर्याप्त माना जाना चाहिए था, खासकर अब जबकि डिजिटलीकरण काफी उन्नत है। यहां पर असम की एनआरसी प्रक्रिया के साथ समानता करने से बच नहीं सकते। वहां भी, ऐतिहासिक दस्तावेज़ों की अनिवार्यता पूरी न किए जाने के कारण लगभग बीस लाख लोग मतदान सूची से बाहर हो चुके हैं, जिनमें से अधिकतर ग़रीब हैं। जबकि चुनाव आयोग का दावा है कि एसआईआर चुनावी प्रक्रिया है-न कि नागरिकता की पड़ताल।इस मुद्दे को और जटिल बनाता है,व्यापक परामर्श का अभाव। विपक्षी दलों का आरोप है कि विशेष गहन संशोधन को बिना किसी पूर्व सूचना के या उनसे चर्चा किए बिना शुरू कर दिया गया है। चुनाव आयोग ने 2002-03 में 20 राज्यों में एसआईआर और पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू-कश्मीर में 2004 के संशोधन करने के दौरान, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के साथ पहले मशविरा किया था।

ऐसी कवायद जल्दबाजी में नहीं बल्कि अक्सर चुनावों से कई साल पहले की जाती थी, जिससे फीडबैक, जन जागरूकता मुहिम और पार्टियों की भागीदारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके।विगत में चुनाव आयोग ने 2003 की मतदाता सूची को ऑनलाइन प्रकाशित किया और घर-घर जाकर सत्यापन में मदद करने के लिए करीब एक लाख बूथ-स्तरीय अधिकारियों और इतने ही वालंटियर तैनात किये। सबसे महत्वपूर्ण यह कि इसने स्पष्ट किया है कि 2003 की सूचियों में पहले से शामिल 4.96 करोड़ मतदाताओं को दस्तावेज देने की जरूरत नहीं। वर्तमान में भले ही चुनाव आयोग ने दावों-आपत्तियों की प्रक्रिया खोल दी व राजनीतिक दलों से बूथ स्तर पर एजेंट नियुक्त करने को भी कहा है। ये सभी कदम स्वागत योग्य हैं, लेकिन संशोधन प्रक्रिया की चिंताओं का निवारण करने में पर्याप्त नहीं। बेशक विशेष गहन संशोधन का कानूनी आधार मजबूत है। अनुच्छेद 324 ,अनुच्छेद 326, मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 का नियम 25 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21, मतदान सूचियों को वक्त मुताबिक संशोधित करने का समर्थन करती है। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने भी इन मामलों में आयोग की स्वायत्तता की पुष्टि की है। लेकिन लोकतंत्र में कानूनी अवयव एकमात्र पैमाने नहीं होते बल्कि नैतिक वैधता व जनता का भरोसा उतने ही मायने रखता है।

चुनाव आयोग को न केवल निष्पक्ष रूप से काम करना चाहिए - बल्कि उसे निष्पक्षता से काम करते हुए दिखना भी चाहिए। गहराते राजनीतिक ध्रुवीकरण और संस्थानों के प्रति अविश्वास के बढ़ते माहौल के बीच सहानुभूति और स्पष्टता की कमी होने पर नेकनीयत कार्यों को भी गलत समझा जा सकता है। आयोग को दस्तावेज़ीकरण के लिए समय सीमा बढ़ाने पर विचार करना चाहिए। साथ ही इसको पहले उन राज्यों में शुरू करने पर विचार करना चाहिए, जहां चुनाव 2-3 साल बाद होने हैं।

ऐसे वक्त में, संस्थान यह वास्ता देकर कि वह तो सिर्फ कानून का पालन करवा रहा है, अपनी विश्वनीयता खो सकते हैं। बाकियों की तरह, बिहार के मतदाता भी,स्वच्छ मतदाता सूची के हकदार हैं - लेकिन बड़ी संख्या में लोगों के बाहर छूट जाने की एवज पर नहीं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के संरक्षक के रूप में, चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक नागरिक का वोट देने का अधिकार न केवल सुरक्षित रहे बल्कि वह सम्मानित भी महसूस करे। जब मतदान का अधिकार संवैधानिक गारंटी के बजाय विशेषाधिकार की तरह लगने लगे, तो लोकतंत्र की भावना अपने आप सिकुड़ जाएगी।

(साभार: लेखक भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। यह उनके निजी विचार हैं)

पहलगाम में बहा लहू, टीवी चैनलों पर मची TRP की होड़

■ अनुराग वर्मा

कश्मीर की वादियों में बसी शांति उस दोपहर टूट गई जब बैसारन घाटी में पांच सशस्त्र आतंकियों ने निर्ममता से 26 लोगों की जान ले ली। इस हमले में एक स्थानीय गाइड ने भी अपनी जान गंवा दी, जो पर्यटकों को बचाने की कोशिश कर रहा था। यह हमला महज आतंकी कार्रवाई नहीं थी।यह भारत की संप्रभुता और कश्मीर के पुनरुद्धार पर सीधा हमला था। जवाब में भारत ने चुपचाप और सटीक ढंग से ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, एक गुप्त सैन्य अभियान जिसका उद्देश्य सीमापार आतंकी ढांचे को ध्वस्त करना था।

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य केवल आतंकियों को मार गिराना नहीं था, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी था कि कार्रवाई के दौरान पाकिस्तान को कोई खुला बहाना न मिले। इसीलिए शुरूआती दिनों में सरकार और सेना ने आधिकारिक चुप्पी बरती। लेकिन भारतीय टीवी मीडिया ने संयम की जगह सनसनी को चुना।

टीवी चैनलों ने एक्सक्लूसिव खबरों के नाम पर अटकलें, फर्जी वीडियो और सेना की यूनिट्स तक की जानकारी प्रसारित कर

दी। कुछ चैनलों ने पुराने NATO फुटेज को भारतीय कार्रवाई बताकर दिखाया, जिससे ना सिर्फ़ भ्रम फैला, बल्कि ऑपरेशन की गोपनीयता भी खतरे में पड़ गई। टीवी पर चली अफवाहों ने पाकिस्तान को मौका दिया कि वह भारत पर प्रोपेगैंडा फैलाने का आरोप लगाए। नियंत्रण रेखा पर ड्रोन तैनात हुए, और भारत के कूटनीतिज्ञों को विदेशों में जवाब देना पड़ा कि जो रिपोर्ट्स टीवी पर चल रही हैं, वह कितनी सही हैं।

सेना को आधिकारिक बयान देने पड़े, जिससे ध्यान कार्रवाई से हटकर डैमेज कंट्रोल पर आ गया। जंग अब केवल मैदानों में नहीं लड़ी जाती, 21वीं सदी में युद्ध केवल बंदूक से नहीं लड़ा जाता। आज की लड़ाई सूचना के मोर्चे पर भी है। जिस देश की मीडिया अपनी ही सेना की रणनीति को टीवी डिबेट की होड़ में उजागर कर दे, वहां जीत भी नुकसान में बदल सकती है। अमेरिका और इजराइल जैसे देशों में मीडिया को युद्ध या सैन्य अभियान के दौरान सख्त गाइडलाइंस और एम्बार्गो का पालन करना होता है। भारत में ऐसा कोई नियमन नहीं है। नतीजा टीवी रिपोर्टर अनाम सूत्रों के हवाले से अफवाहें फैलाते हैं, और सोशल मीडिया उन्हें रॉकेट की रफ्तार से फैला देता है।

जब फर्जी वीडियो, गलत बयानों और भावनात्मक हेडलाइनों की बाढ़ आई, तब सिर्फ आज तक टीवी ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। बाकी TV चैनलों ने या तो चुप्पी साधी या फिर ध्यान भटकाने की कोशिश की। भारत में प्रेस की स्वतंत्रता गैर-मोल है और होनी भी चाहिए। लेकिन युद्ध जैसे संवेदनशील समय में स्वतंत्रता बिना जिम्मेदारी के देश के लिए खतरा बन जाती है। एक गलत रिपोर्ट सैनिकों की जान पर बन सकती है, एक झूठा वीडियो दुश्मन को रणनीति समझा सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर रणनीतिक रूप से सफल रहा। लेकिन इससे मिली सीख कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है, भारत को न केवल अपनी सीमाओं की रक्षा करनी होगी, बल्कि अपने सूचना तंत्र को भी सशक्त और जिम्मेदार बनाना होगा। यह समय है जब देश को एक आचार संहिता की जरूरत है, खासकर जब देश युद्ध जैसी परिस्थितियों से जूझ रहा हो।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

जीवन में अनुभव की उतनी ही आवश्यकता होती है जितनी की उपासना की ।

- भगवती चरण

निशाना

नहीं मानते ट्रंप !

-कृष्णेन्द्र राय

डुरह रह कर शिगूफा ।
नहीं मानते ट्रंप ।।
बोल बोल कर दुनिया में ।
ला रहे भूकंप ।।
हर पल नया तमाशा ।
अर्थ क्षेत्र पर मार ।।
इस टैरिफ ने उनके ।
कर दिया प्रहार ।।
उथल पुथल बाजार में ।
हाहाकार है छाया ।।
उनके जो प्रतिद्वंदी ।
कर रहे सफाया ।।
आगे बढ़ने की ललक ।
धुन है अलग सवार ।।
लेकिन दुनिया धीरे धीरे ।
बनी होशियार ।।

12 दिन तक नौलखी में रथ यात्रा महोत्सव की रही धूम

प्रभु जगन्नाथ बरसते पानी में अपने धाम रवाना, श्रद्धालु भक्ति में सराबोर

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

अपने भगवान को धाम के लिए विदा करते हुए मंदिर के अंदर श्रद्धा और भक्ति भाव में डूबे भक्तों की आंखें जहाँ झज्जर बह रही थीं तो वही मंदिर के बाहर बरसते पानी में महाप्रभु अपने धाम रवाना होने के लिए रथ पर सवार हो रहे थे। गाजे बाजे के साथ विदाई की इस बेला में भक्त और भगवान प्रेम और श्रद्धा की बारिश में भीगते हुए दिखाई दिए।

महाप्रभु जगन्नाथ सोमवार को भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर बरसते पानी में अपने निज धाम वेत्रवती घाट स्थित नौलखी आश्रम के लिए विदा हुए। अपने धाम के लिए रवाना होने से पहले महाप्रभु जगन्नाथ ने भक्तों के साथ छप्पन भोग की प्रसादी ग्रहण की। मांगरोद की कीर्तन मंडली के साथ नाचते गाते हुए भक्तों ने अपने महाप्रभु को निज धाम के लिए विदा किया। ज्ञात हो कि रथ यात्रा महोत्सव में नगर भ्रमण के पश्चात महाप्रभु जगन्नाथ पिछले 12 दिन से स्टेशन रोड़ स्थित अपनी मौसी के घर नौलखी मंदिर

में विराजमान थे। उनकी अगवानी के उपलक्ष्य में मंदिर में जगन्नाथ भगवान की कथा, चैतन्य महाप्रभु के चरित्र अमृत कथा, प्रतिदिन भक्तों द्वारा छप्पन भोग सहित स्थानीय और बाहर से आए कलाकारों द्वारा भजन कीर्तन के माध्यम से महाप्रभु को प्रसन्न किया जा रहा था।

मंदिर में महाप्रभु की सेवा में आयोजित हो रहे उत्सव के चलते भक्ति से सराबोर आनंदित भक्तों को जगन्नाथपुरी जैसा दिव्य अनुभव मिल रहा था। सुबह से लेकर देर रात तक महाप्रभु के उत्सव में शामिल होने भक्तों की भीड़ मंदिर में दिखाई देती थी। मंदिर में प्रतिदिन 56 भोग के साथ भंडारा आयोजित हो रहा था जिसमें सैकड़ों भक्त प्रसादी ग्रहण करते थे। उत्सव के दौरान अपने महाप्रभु को रोज नित नए व्यंजनों को अर्पित करने का भाव और उत्साह इतना अधिक था कि मंदिर के सीताराम संकीर्तन मंडल द्वारा आयोजित हुए 56 भोग की प्रसादी में भक्तों द्वारा 221 व्यंजनों का भोग महाप्रभु को अर्पित किया गया। अपने धाम रवाना होने से पहले सोमवार को महाप्रभु ने अपने प्रिय भोग कड़ी भात के साथ 96 व्यंजनों की प्रसादी साधु संतों भक्तों के साथ ग्रहण की।

शाम करीब 4 बजे मंदिर के महंत नौलखी खालसा के श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज ने महाप्रभु की आरती उतार कर उन्हें रथ पर बैठाया। बैंड बाजे और कीर्तन मंडली के साथ मंदिर से महाप्रभु अपने धाम के लिए रवाना हुए। रास्ते में जगह-जगह भक्तों ने भगवान की आरती उतारी। नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए भगवान महाप्रभु का रथ देर शाम वेत्रवती घाट स्थित नौलखी आश्रम पहुंचा।

गुजराती बाज खेड़ावाल ब्राह्मण समाज ने किया पौधारोपण

नर्मदापुरम। पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए पेड लगाना अति आवश्यक है और इसी कर्त्तव्य को निभाने का काम गुजराती बाज खेडावाल ब्राह्मण समाज नर्मदापुरम करते आ रहा है। सोमवार को भारी बारिश के बीच समाजिक जनों ने देवादास समाधि सदर बाजार पार्क में पौधरोपण किया। इस दौरान समाज अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, सौरभ तिवारी, अशोक दुबे, सुनील दुबे, पूर्व पार्षद प्रकाश तिवारी, अवध शर्मा और मातृशक्ति श्रीमती पुष्पा जोशी, श्रीमती मोनिका दुबे, श्रीमती स्वाति दुबे ने आम, आवंला ,बादाम, अशोक एवं विल्वपत्र के पौधे लगाएं। पौधरोपण पश्चात सेवानिवृत शिक्षिका श्रीमती सरोज दुबे को जन्मदिवस की शुभकामनायें भी दी गई।

32 नेत्र रोगियों के होंगे आंखों के ऑपरेशन मिलेगी नेत्रों को ज्योति

गंजबासौदा। नेत्र शिविर नागरिक समिति एवं सिंधी समाज के संयुक्त तत्वाधान में सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय बैरागढ़ द्वारा तथा सेवा भावी संस्था दमयंती धर्मकांटा सेवार्थ के सहयोग से हितकारिणी धर्मशाला मे सोमवार को नि:शुल्क नेत्र शिविर कैंप आयोजित किया गया।जिसमें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के नेत्र रोग विशेषज्ञ डाक्टर हरिप्रसाद, विदिशा सेंटर इंचार्ज रविंद्र रघुवंशी एवं रिसेप्शनिस्ट नीतू श्रीवास्तव द्वारा 83 मरीजों की ओपीडी की गई इसमें से 32 नेत्र रोगियों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए बस द्वारा सेवा सदन बैरागढ़ भेजा गया। एवं 30 नेत्र रोगियों को जांच पश्चात निशुल्क दवाइयां दी गई तथा 21 नेत्र रोगियों को चश्मा बनवाने के लिए सलाह दी गई। इस मौके पर नेत्र शिविर नागरिक समिति के अध्यक्ष कांति भाई शाह, समिति के सचिव सुरेश तनवानी, विनीत अरोरा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

हिमानी के घर जाकर एसडीएम ने गिफ्ट और शुभकामनाएं दीं

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर के वार्ड 8 में रहने वाली हिमानी खटीक पुत्री त्रिलोक खटीक ने कला संकाय से कक्षा 12 में 83.6त्न अंक प्राप्त किय हैं,शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें हिमानी खटीक को नहीं बुलाया गया था जिससे हिमानी काफी हताश हो गई थी ,हिमानी की निराशा को देखकर उनके पिता त्रिलोक खटीक ने हिमानी को तहसील ले जाकर एस डी एम सौरभ गंदर्भ से लिखित शिकायत की थी कि मेरी बच्ची हिमानी ने 83.6त्न अंक प्राप्त किए हैं जिसे न तो विद्यालय से बुलाया गया न ही किसी प्रकार का सम्मान दिया गया न ही प्रमाण पत्र दिया है ,इसलिए आज एस डी एम को आवेदन दिया है और न्याय की गुहार लगाई है जिस पर एस डी एम सौरभ गंदर्भ ने तुरंत एक्शन लिया और विकाश खंड शिक्षा अधिकारी से फोन पर बात करके हिमानी को प्रमाण पत्र देने की बात कही और एस डी एम खुद हिमानी के घर शुभकामनाएं देने पहुंचे साथ ही एस डी एम सौरभ गंदर्भ ने हिमानी को गिफ्ट भी दिए और हिमानी को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं,साथ ही हिमानी को कक्षा 12 के बाद होने वाले कोर्स के बारे में जानकारियां दी वहीं हिमानी ने भी एस डी एम से बताया कि मेरे परिवार के लोग मुझे पढ़ाई को लेकर बहुत सपोर्ट करते हैं, एस डी एम ने हिमानी सहित नगर के सभी विद्यार्थियों से बात कही है कि जो भी बच्चे 12 क्लास पास कर चुके हैं और जिनको भी अपने भविष्य को लेकर पढ़ाई को लेकर मुझसे कोई भी जानकारी लेनी हो या कुछ समझना हो तो वह विद्यार्थी मेरे पास किसी भी वक्त आ सकते हैं ,में हमेशा उनकी मदद के लिए तैयार हूं एस डी एम हिमानी के घर पहुंचे जिससे हिमानी नी निराशा खुशी में बदल गई।

भारी बारिश के चलते नदियों का बढ़ा जलस्तर, पुलों के ऊपर पहुंचा पानी

- दर्जनों गांव से आवाजाही हुई प्रभावित
- सड़क का बहा डामर घटिया निर्माण के लोगों ने लगाए आरोप

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

लगातार बारिश का दौर चल रहा है जिसके चलते जनजीवन प्रभावित हो रहा है रविवार को सुबह से लेकर कल रात तक बारिश रही जिसके चलते सड़कों पर पानी ही नजर आता रहा कई सड़क जलमग्न हो गई जानकारी के मुताबिक 30 जून से लगातार बारिश हो रही है लेकिन 2 जुलाई से बारिश ने अपनी तेज रफ्तार पकड़ ली है। तेज और मूसलाधार बारिश के चलते नदी और नाले जलमग्न हो गए हैं पुलों के ऊपर पानी आ जाने से ब्लॉक के कुछ ग्रामीण क्षेत्रों की आवाजाही बंद हो गई तो वहीं कुछ क्षेत्रों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हुई है कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में चारों और से नदी नाले होने व लगातार हो रही तेज बारिश से बाढ़ जैसे हालात को देखते हुए लोग सहमें हुए हैं आगामी समय में भी इसी तरह बारिश की संभावनाओं को देखते हुए

तेन्दूखेड़ा एसडीएम सौरभ गंधर्व ने लोगों से कहा कि सावधानियां बरतें पुल पुलियों और रपटों के ऊपर पानी होने पर पैदल या फिर अपने वाहन से उसे पार न करें सभी जगहों पर प्रशासन की टीम लगी है किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति होने पर इसकी जानकारी क्षेत्र के अधिकारियों को दे

झलौन तारादेही मार्ग हुआ बंद

तेज बारिश के चलते झलौन तारादेही मार्ग पूरी तरह रातभर बंद हो गया यहां पर विसनाखेडी धनेटा के बीच बने फड़गा पुल पर पानी आ जाने से मार्ग बंद हो गया इस और ससना धनेटा विसनाखेडी झलौन सर्रा तारादेही बमनौदा सहित दो दर्जन से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों का जनसंपर्क टूट गया सुबह नौ बजे तक यह मार्ग पूरी तरह से बंद रहा

घटिया निर्माण के चलते पुल का डामर उखड़ गया

वहीं तारादेही झलौन सर्रा पर स्थित भड़गा पुल? के ऊपर रात में पानी आ जाने से पुल का डामर तेज बहाव में उखड़ गया डामर ने पुराने पुल की सीमेंट को छोड़ दिया है जानकारी के अनुसार छह माह पहले ही इस मार्ग का निर्माण कार्य कराया गया था लोगों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा घटिया और कम डामर करणी के कारण सड़क से डामर उखड़ गया है और पुल छतिग्रस्त हो गया है इस पुल से एक दर्जन से अधिक बसें और अन्य वाहनों का निकलना होता है

सारसबगली गांव बना टापू

वहीं दूसरी ओर ब्लॉक की ग्राम पंचायत सारसबगली भी चारों ओर नदी नाले और जंगल होने के चलते पूरा गांव टापू बन गया यहां तक मुख्य मार्ग तक आने के के लिए पक्का मार्ग तो है लेकिन गांव के बाहर नदी पर बना पुल सुबह चार बजे डूब जाने से दोपहर 11 बजे तक आवाजाही पूरी तरह बंद हो गया सारसबंगली ग्राम के लोगों गांव में फंसे रहे खबर लिखे जाने तक पुल पर 2 फुट पानी नजर आता रहा।

पॉलिटेक्निक में रिक्त सीटों पर संस्था स्तरीय काउंसलिंग प्रारंभ

नर्मदापुरम। शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में संचालित दसवीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों हेतु 3 वर्षीय रोजगार मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रम मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग ,सिविल इंजीनियरिंग ,इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में सत्र 2025- 26 में प्रवेश हेतु संस्था स्तर काउंसलिंग प्रारंभ हो गई है । इच्छुक विद्यार्थी 13. अगस्त की रात 11ः45 बजे तक घर बैठे वेबसाइट पर जाकर या महाविद्यालय मे आकर मनपसंद पाठ्यक्रम में रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। रजिस्टर्ड विद्यार्थी महाविद्यालय में हर सोमवार बुधवार व शुक्रवार को प्रातः 10ः30 बजे से सांय 5ः30 बजे तक उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करवा सकेंगे । दसवीं परीक्षा उत्तीर्ण के साथ आईटीआई उत्तीर्ण अथवा 12 वीं उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं हेतु उपरोक्त पाठ्यक्रमों के द्वितीय वर्ष में रिक्त सीटों पर लैटरल एंट्री के माध्यम से प्रवेश हेतु दिनांक 5 जुलाई से 13 अगस्त रात्रि 11ः45 तक उपरोक्त अनुसार रजिस्ट्रेशन करना आवश्यक है । इस बार मध्यप्रदेश शासन द्वारा तकनीकी पाठ्यक्रम में 2 वर्षों का अध्ययन पूर्ण करने पर उपाधि भी प्रदान की जाएगी जिसकी मान्यता हायर सेकेंडरी के बराबर होगी । प्राचार्य डॉ पी सी नरवरे ने बताया कि कुछ ही सीट पाठ्यक्रमो में रिक्त है । छात्र छात्राओं के रजिस्ट्रेशन में आ रही समस्याओ के समाधान के लिए अथवा पाठ्यक्रम संबंधी अधिक जानकारी के लिए महाविद्यालय में आकर संपर्क किया जा सकता है

विधिक साक्षरता शिविर में छात्राओं की दी कानून की जानकारी

गंजबासौदा। तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वाधान में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंडी में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन बाल संरक्षण एवं संवर्धन अभियान के अन्तर्गत सुश्री विमलेश मुडेया, द्वितीय व्यवहार न्यायधीश वरिष्ठ खंड की उपस्थिति में आयोजित हुआ। शिविर में बाल संरक्षण एवं संवर्धन अभियान योजना, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता, शिक्षा का अधिकार, बाल विवाह निषेध अधिनियम,नालसा बच्चों को मैत्री पूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएं योजना , नालसा तस्करी और वाणिज्यिक यौन शोषण , पीड़ितों के लिये विधिक सेवाएं योजना के विषयक जानकारी दी। कार्यक्रम में एडवोकेट संजीव कुमार अरोरा, एडवोकेट शेरसिंह यादव, प्राचार्य प्रभात श्रीवास्तव, बृजेंद्र सिंह रघुवंशी, शिवकुमार दांगी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मनोज कुमार सिंह राठौर ने किया ।

समस्त झरनों एवं वॉटरफॉल के पास वर्षाकाल में जाना पूर्णत: प्रतिबंधित, आदेश जारी

तेंदूखेड़ा! सोमवार को तेन्दूखेड़ा एस.डी.एम सौरभ गंधर्व ने जनहित को दृष्टिगत रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत संपूर्ण अनुविभाग तेंदूखेड़ा के अंतर्गत आने वाले झरने व अन्य वॉटरफॉल एवं ऐसे दुर्घटना संभावित क्षेत्र से 50 मीटर के भीतर प्रवेश करना एवं पिकनिक मनाना, झरने व अन्य वॉटरफॉल एवं ऐसे दुर्घटना संभावित क्षेत्र से 50 मीटर के भीतर वीडियो फोटोग्राफी, झरने व अन्य वॉटरफॉल एवं ऐसे दुर्घटना संभावित के भीतर स्नान करना, झरने व अन्य वॉटर बॉडी एवं ऐसे दुर्घटना संभावित क्षेत्र से 50 मीटर के भीतर वाहन पार्किंग एवं वाहन उपयोग, झरने व अन्य वॉटर बॉडी एवं ऐसे दुर्घटना संभावित क्षेत्र से 50 मीटर के भीतर दुकान लगाना, रेहड़ी लगाना एवं खाद्य पदार्थों की ब्रिकी करना पूर्णत प्रतिबंधित रहेगा जारी आदेश में कहा गया उक्त आदेश का उल्लघंन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश जन सामान्य के जान माल की सुरक्षा तथा भविष्य के खतरे की संभावना को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत एक पक्षीय रूप से पारित किया गया हैं तथा सार्वजनिक माध्यमों, इलेक्ट्रानिक मीडिया, समाचार पत्रों से आदेश सर्व साधारण को अवगत कराया जा रहा है

शिक्षक संगठन ने सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा। शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों से जाति प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आदेशित किया गया है इसमें प्रारंभिक दिक्कत जाति प्रमाण पत्र आवेदन उपलब्ध करवाने की आ रही है विद्यालयों के पास इतनी राशि नहीं है कि वह सभी बच्चों के लिए बाजार से आवेदन क्रय कर सकें। इसी बात को लेकर शासकीय शिक्षक संगठन ने जाति प्रमाण पत्र बनवाने दस्तावेजो के सरलीकरण करने हेतु अनुविभागीय अधिकारी विजय राय को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन मे कहा गया है कि बाजार में उपलब्ध आवेदन में जटिलता है जिसमे अत्यधिक दस्तावेज संलग्न करना पड़ेंगे जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के या पालकों के पास दस्तावेजों का अभाव है। विद्यालयों के लिए एक सरलीकृत आवेदन पत्र निकलवाया जावे जिसे शिक्षा विभाग या राजस्व विभाग द्वारा ही विद्यालयों के लिए उपलब्ध करवाया जावे । पूर्व में मई 2023 में बिशेष अभियान चलाकर छुट्टियों में जाति प्रमाण पत्र हेतु आबेदन मांगे गये थे लेकिन आज दिनांक तक न तो जाति प्रमाण बने ना ही शिक्षको को ईएल मिली। मई 2023 में जमा जाति प्रमाणपत्र एवं बर्तमान में जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध करबाए जावे साथ ही मई 2023 की छुट्टियो की ईएल शिक्षको को दिलवाई जावे। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी विजय राय ने शिक्षक नेताओ को जाति प्रमाण पत्र के सरलीकरण करने एवं कम से कम दस्तावेज संलग्न करने केवल चार पेज का आवेदन करने का आश्वासन दिया ।

मेट्रो एंकर ताजियादारों और अखाड़ों के उस्तादों सहित अन्य लोगों का किया गया सम्मान

अकीदत और सद्भाव के साथ मना मोहर्रम पर्व

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम.शहादत का पर्व मोहर्रम शहर नर्मदापुरम में बहुत अक़ीदत के साथ मनाया गया. स्थानीय रामलीला मैदान में शाम होते ही शहर के तमाम ताज़िये ज़ियारत के लिए पहुचे. साथ ही शहर के प्रमुख अखाड़े और सवारिया रात होते तक मैदान प्रांगण में पहुंची.

भारी बारिश के बाद भी बड़ी तादाद मे आवाम ने मैदान में अपनी उपस्तिथि दर्ज कराई. मोहर्रम पर्व की आयोजक अंजुमन मुफ़िदुल इस्लाम कमेटी द्वारा समस्त ताजियेदारो और अखाड़े के उस्तादों का

जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रभुत्व जनो द्वारा पुरस्कृत कर सम्मान किया गया. कार्यक्रम मे अतिथियों द्वारा मौला इमाम हुसैन के किरदार और किस तरह उन्होंने असत्य के खिलाफ लड़ते हुए त्याग समर्पण के भाव से इंसानियत को पैगाम देकर खुद को सच के रास्ते शहीद कर दिया इस पर विचार व्यक्त किया.अंजुमन मुफ़िदुल इस्लाम कमेटी ने बेहतर इंतज़ामात और शांति और सद्भाव के साथ मनाये गये इस त्यौहार पर समस्त जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगरपालिका प्रशासन का आभार माना. कौमी एकता की मिसाल हमारा शहर नर्मदापुरम मे स्थानीय नागरिकों ने रामलीला मैदान पहुंचकर ताज़ियों के दर्शन कर अपनी आस्था प्रकट की तत्पश्चात मशहूर क़व्वाल हलीम ताज़ ने देर रात तक क़व्वाली का समा बाँधा।

कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से नायब शहर क़ाज़ी अलीम साहब, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया जी, पूर्व विधायक गिरजाशंकर शर्मा , हाजी मसूद एड. ,भाजपा मंडल अध्यक्ष रुपेश राजपूत , फैज़ान उल हक़ , जब्बार खान, वाहिद सेठ, डा मुबीन , रिज़वान खान , गुलाम मुस्तफ़ा , हबीब खान, शाकिर खान, मुन्ना पठान, रेहमान खान, मजीद खान, नवीद कुरैशी , रोज़ सिद्दीकी, परवेज़ , आदि उपस्तिथ रहे।

मतदान केंद्र पर मनाई जयंती

डॉ. मुखर्जी की बदौलत ही कश्मीर भारत का अभिन्न अंग : उमाकांत शर्मा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

भारतीय जनसंघ के संस्थापक और कश्मीर आंदोलन के प्रणेता डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती नगर तथा ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक मतदान केंद्रों पर भाजपा कार्यकर्ताओ ने सामूहिक रूप से एकत्रित होकर डॉ मुखर्जी का स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। वार्ड क्रमांक 21 के बूथ केंद्रों के सामूहिक कार्यक्रम में विधायक उमाकांत शर्मा ने भी शमिल हुए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि एक देश मे दो विधान दो प्रधान दो निशान नही चलेंगे का नारा देकर भारत देश के अभिन्न अंग कश्मीर के विलय को लेकर आंदोलन खड़ा करके अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले डॉ मुखर्जी की जयंती आज हम प्रेरणा दिवस के रूप में मनाते हैं। मुखर्जी जी के द्वारा कश्मीर के भारत मे विलय को लेकर जो आंदोलन प्रारंभ किया था उसे देश मे पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के बाद देश के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया है। देश की एकता के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले डॉ मुखर्जी की बदौलत ही आज जम्मू कश्मीर में भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहरा रहा है।

एक समय होता था जब कश्मीर को छोड़कर पूरे देश मे एक सा कानून लागू होता था लेकिन कश्मीर में अलग झंडा ओर कानून चलते थे। सदियों से कश्मीर भारत का अभिन्न अंग रहा है ओर रहेगा लेकिन कांग्रेस की सत्ता हथियाने की नीति ने फूलों की घाटी में आतंकवाद को फैला दिया। धारा 370 भी हटी और पूर्ण राज्य का दर्जा भी मिला। उन्होंने प्रत्येक बूथ के अंतर्गत आने वाले परिवारों को भारतीय जनता पार्टी संगठन की विचारधारा से जोड़ने का भी आव्हान कार्यकर्ताओं से किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के पूर्व महामंत्री हरिचरण अहिरवार ने की। इस दौरान मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह,महामंत्री सुमंत मित्तल, पप्पू त्यागी , राजा मियां, रमेश यादव ,हरिबाबू भार्गव, शिव कुमार भार्गव,ओम सोनी आदि मौजूद थे।

स्ट्रीट लाइट लगाने वाला ठेकेदार लापरवाही से कर रहा है काम

सिरोंज। नगर पालिका परिषद के द्वारा जिन क्षेत्र मे स्ट्रीट लाइट नहीं है वहां स्ट्रीट लाइट लगवाने का काम करवाया जा रहा है। इस काम को संबंधित ठेकेदार के द्वारा लापरवाही से अंजाम दिया जा रहा है। इस वजह से सभी को परेशानी हो रही है अंडरग्राउंड मशीन से काम नहीं किया जा रहा है इस वजह आम जनता के -साथ की कार्यालयों के आगे खुदाई हो जाएगी तो और भी समस्या होगी इसका कारण काम एसडीएम के निर्देश के बाद कार्य बंद हो गया जब तक अंडरग्राउंड मशीन नहीं आएगी तब तक इस काम को नहीं करने दिया जाएगा। स्ट्रीट लाइट के केविल को डालने वाले ठेकेदार के द्वारा सडकों की दोनों साइडों को खोदकर कर मिट्टी सड़क पर डालीं जा रही है। इस वजह से लोगों का असुविधा हो रही है। जानकारी लगते ही एसडीएम हर्षल चैधरी ने नगर पालिका सीएमओ निर्देशित करते हुए कहा कि स्ट्रीट लाइट की लाइन को अंदर खुदाई करने वाली मशीन की सहायता से करवाया इस तरह से काम नहीं किया जाए अभी तहसील रोड पर ठेकेदार के द्वारा जेसीबी से खुदाई करके कार्य किया इस वजह से सरकारी कार्यालय के आगे भी खुदाई होने से समस्या होगी।

बजरंग दल विहिप ने सेवा सप्ताह में किया निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

सिरोंज। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के द्वारा सेवा सप्ताह के तहत तहसील रोड पर निशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा कैंप का आयोजन किया इसमें भोपाल के मेकिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के डॉक्टर के द्वारा बड़ी संख्या में आए मरीजों की विभिन्न बीमारियों जांच पड़ताल के साथ उचित परामर्श दिया इसके अलावा दवाइयां भी वितरित की कैंप में हड्डी रोग विशेषज्ञ, आंखों के विशेषज्ञ, सर्जरी विशेषज्ञ ,शुगर ,पीडिया ,मेडिसिन ई सी जी जैसी सुविधाओं से आम लोगों को परामर्श देकर दवाइयां भी दी गई भोपाल के जे के हॉस्पिटल से मेडिसिन के लिए डॉ शांतनु , जैनिक विशेषज्ञ डॉ आर्तिक, अर्थो विशेषज्ञ डॉ अंजली , आंखों के लिए डॉ नूपुर , पीडिया डॉ राजकुमार ,सर्जरी डॉ बिलाल सहित करीब 15 लोगों का स्टाफ उपस्थित रहा इस दौरान सचिन यादव , राकेश सक्सेना , जगदीश शाक्य , अर्जुन शाक्य , प्रदीप राठौर , आदि मौजूद थे।

बिजली से पशु हानि पर पशु स्वामी को आर्थिक अनुदान सहायता राशि जारी

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में बिजली के करंट लगने से पशु की मृत्यु हो जाने के एक प्रकरण में पशु स्वामी को आर्थिक अनुदान सहायता राशि जारी करने के निर्देश दिए थे। प्राप्त निर्देशों के पालन में वर्णित दुधारू पशु के लिए 30 हजार तथा गैर दुधारू पशु के लिए 16 हजार प्रति पशु के हिसाब से पशु स्वामी को प्रदान किए जाने का आदेश जारी किया गया है। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उप महाप्रबंधक ने बताया कि 20 जून को ग्यारसपुर वितरण केंद्र अंतर्गत ग्राम बरवाई में श्री आसाराम किरार पुत्र शिव प्रसाद किरार की विद्युतीय घटना में गाय की मृत्यु हो जाने की जानकारी प्राप्त हो जाने पर उक्त प्रकरण की विस्तृत जांच रिपोर्ट का परीक्षण किया गया जिसमें पाया गया कि ग्राम बरवाई में प्रतिदिन की भांति 20 जून को श्री आसाराम किरार ने प्रातः अपने पशु को चरने के लिए छोड़ दिया था जिनमें से एक नंबर गाय ग्राम के कुशवाहा मोहल्ला में स्थापित 63 केव्हीए के ट्रांसफार्मर के पास पहुंचकर खंभे से अपना शरीर रगड़ रही थी। बारिश होने के कारण पोल के माध्यम से जमीन तक आए अर्थिंग वायर के माध्यम से पोल में करंट प्रभावित हो रहा था जिससे गाय को करंट लगा और गाय की मृत्यु हो गई थी। उक्त प्रकरण का परीक्षण कर समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि दुर्घटना बारिश होने के कारण पोल के माध्यम से जमीन तक आए अर्थिंग वायर के माध्यम से पोल में करंट प्रवाहित होने के कारण घटित हुई है, जिसमें पशु स्वामी की कोई गलती प्रमाणित नहीं होती है परिणाम समिति के सदस्यों की सहमति से मृत पशु के स्वामी को आर्थिक अनुदान सहायता राशि हेतु पात्र पाए जाने पर आसाराम किरार को 30 हजार की अनुदान सहायता राशि का भुगतान किया जाना न्यायोचित होगा का आदेश जारी किया गया है।

शिक्षक स्कूल जाये या संकुल-संकुल सीआर जमा करता फिरे

सिरोंज। प्रमोशन प्रक्रिया में सीआर के लिए शिक्षक हो रहे परेशान विदिशा जिले में अलग-अलग संकुल प्राचार्य अलग-अलग प्रकार से ले रहे हैं सीआर जब के उच्च पद प्रभार में समस्त लोक सेवकों की 2023 तक सीआर जिले में जमा की जा चुकी हैं तथा क्रमोन्नति व समयमान वेतनमान में भी सीआर जमा हो चुकी हैं अब फिर से शिक्षकों से प्रमोशन के नाम पर सीआर मांगी जा रहे हैं जिसमें उनसे 2017-18 से 2025 तक आठ वर्ष की सीआर मांगी जा रही है शिक्षक हो रहे परेशान उनकी सुनने वाला कोई नहीं अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान लगा रहे हैं। ज्ञात होकि कई संकुल प्राचार्य एवं बीईओ सेवानिवृत्त हो गये है पर सीआर सत्र 2017-18 की होने के कारण शिक्षकों को इनके चक्कर लगाना पड़ रहे है नये संकुल प्राचार्य एवं बीईओ इनकी सीआर पर हस्ताक्षर नहीं कर रहे है यहाँ शिक्षको की कोई सुनने वाला नहीं है जिस संकुल प्राचार्य का जो मन कर रहा है उस तरीके से सीआर ले रहा है कुछ संकुल वाले आठ साल की सीआर मांग रहे है कुछ संकुल वाले तीन वर्ष की सीआर मांग रहे है शिक्षक इसी तरह सीआर देने के चक्कर लगा रहा है। हमारे संवाददाता को विदिशा स्थापना में पदस्थ नितिन बाबू से बात हुई उन्होंने बताया की - भोपाल से आठ वर्ष की सीआर मांग रहे है जिस शिक्षक ने क्रमोन्नति के समय संकुल में पांच वर्ष की सीआर पूर्व में देदी है या जिले में संकुल प्राचार्य ने जमा की है वोह हमें बता दे इस पत्र के द्वारा इन वर्षो की सीआर जमा की है उन्हें तीन वर्ष की देना है और जिनकी जमा नहीं हुई है वोह आठ वर्ष की सीआर जमा करेंगे।

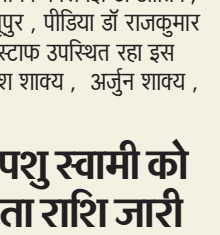

लंबित आवेदनों व अभियानों के क्रियान्वयन की समीक्षा

समय सीमा में आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करें : कलेक्टर अंशुल गुप्ता

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

रजिस्ट्री पर रोक

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने लंबित आवेदनो की समीक्ष बैठक के दौरान जिला पंजीयक को निर्देश दिए है कि अवैध कालोनियों की एक भी रजिस्ट्री ना हो उन्होंने ऐसी कालोनियों का चिन्हांकन किया गया है और सूची प्रदर्शित की जाए।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने सोमवार को लंबित आवेदनो और वर्तमान में क्रियान्वित विशेष अभियानो के तहत संपादित किए जा रहे कार्यो की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित उक्त बैठक में विभागीय अधिकारियों के द्वारा संपादित कराए गए कार्यो की जानकारियां सांझा की गई है।

सीएम हेल्पलाइन

कलेक्टर श्री गुप्ता ने सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनो की समीक्षा के दौरान एल वन स्तर पर शिकायते अटेण्ड नहीं करने तथा आश्वासनयुक्त जबाव दाखिल करने वालो की सूची तैयार करने के निर्देश दिए है ताकि संबंधितो पर नियमानुसार कार्यवाही कर विभाग प्रमुख को प्रेषित की जा सकें।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन आवेदनो के निराकरण मामलो में जिले की रैकिंग प्रभावित हो रही है जो इस बात का घोतक है कि आवेदनो के निराकरण मामलो में विशेष ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह की अवधि में सुधार परलिक्षित नहीं होता है तो विभागीय अधिकारियों पर कठोर कार्यवाहियां की जाएगी। समीक्षात्मक बैठक में बताया गया कि आज की स्थिति में जिले की प्रदेश स्तरीय रैकिंग सूची में 24वा स्थान है। सीएम हेल्पलाइन के तहत सौ दिवसीय आवेदनो की कुल संख्या 5234 है जिसमें सर्वाधिक महिला एवं बाल विकास विभाग के 2374 आवेदन शामिल है। समाधान रिपोर्ट के अनुसार सौ दिवसीय लंबित आवेदनो की संख्या 5227 है। पचास दिवसीय आवेदनो की कुल लंबित संख्या 7474 है।

पौधरोपण

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिले में साढे नौ लाख से अधिक पौधे रोपित करने का लक्ष्य तय किया गया है इसके लिए विभागवार लक्ष्यों का आवंटन किया गया है। अब तक जिले में पौधरोपण कार्यो के तहत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में लगाए गए पौधो की संख्या व स्थलो की जानकारियां प्रस्तुत की गई।

छात्रवृत्ति

कलेक्टर श्री गुप्ता ने छात्रवृत्ति के लंबित प्रकरणो के संबंध में आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रभारी जिला संयोजक व डिप्टी कलेक्टर श्री संतोष बिटौलिया को निर्देश दिए है कि पात्रताधारी विद्यार्थियों को समय पर शासन की योजना का लाभ मिलें जिले में अभी भी 70 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्राप्त नहीं हुई है अतः आदिम जाति कल्याण विभाग के माध्यम से इन विद्यार्थियो की छात्रवृत्ति संबंधी तमाम कार्यवाहियां पूर्ण कराएं। बजट के संबंध में आवश्यकता पड़ती है तो अर्द्धशासकीय पत्र प्रेषित किया जाए।

खाद-बीज

कलेक्ट श्री गुप्ता ने जिले में खाद की उपलब्धता और वितरण के कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने हरेक एसडीएम से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संवाद कर खाद का कहीं किसी प्रकार संकट तो नहीं है कि जानकारी प्राप्त की। उन्होने की कृषको को बोए रकवे के अनुपात अनुसार खाद की उपलब्धा सुनिश्चित कराई जाए। डबल लॉक से वितरित खाद और समितियों के माध्यम से प्रदाय खाद हेतु निर्धारित प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि मशीन के बिना किसी को खाद ना दिया जाए। यदि मशीन खराब हो जाती है तो ऐसी स्थिति में मशीन समिति स्वंय खरीद सकती है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिले में समर्थन मूल्य पर मूंग उपार्जन के रकवे का सत्यापन करने हेतु संबंधितो को निर्देशित किया है इस दौरान बतलाया गया कि जिले में 3482 किसानो के द्वारा समर्थन मूल्य पर मूंग विक्रय हेतु पंजीयन कराया गया है।

टोल फ्री 1962

चलित पशु चिकित्सा इकाई 1962 के द्वारा पशुओं के उपचार कार्यो की भी समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए है कि पशुओं की टेगिंग संख्या संधारित की जाए। उन्होंने सभी एसडीएमो को निर्देशित किया है कि विकासखण्ड स्तरीय पशु कल्याण समितियों की बैठक आयोजित करे और पशु एम्बुलेंस का उपयोग कैसे प्राप्त करें कि जानकारियां सुगमता से उपलब्ध कराई जाएं।

कार्यालयो का निरीक्षण

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने सभी विभागो के जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि विभागीय कार्यालयो का औचक निरीक्षण प्रक्रिया गठित दलो के माध्यम से संपादित कराई जाएगी। अतः सभी कार्यालयो में अनुपयोगी सामग्री भण्डारित ना हो, यदि है तो उसका समय सीमा में निष्पादन प्रक्रिया क्रियान्वित की जाए। निरीक्षण के दौरान कार्यालयीन अव्यवस्थाएं पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियो के साथ-साथ विभागीय जिलाधिकारी को भी दण्डित किया जाएगा।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक के दौरान समग्र ईकेवायसी, खाद्य विभाग की ईकेवायसी, सीएम राइज स्कूल, जीर्णशीर्ण भवनो, पुराने भवनो पर अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही, न्यायालयीन प्रकरणो में जबाव दाखिल करना, सीएम मानिटरिंग के आवेदनो की समीक्षा की गई है।

जिले में आज 26 मिमी औसत वर्षा दर्ज

सिरोंज। विदिशा जिले में पिछले 24 घंटो में हुई बारिश की जानकारी देते हुए अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती कृष्णा रावत ने बताया कि जिले की तहसीलो में स्थापित वर्षामापी यंत्रो पर सोमवार सात जुलाई की प्रातः आठ बजे 26 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है। अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती कृष्णा रावत ने बताया कि सर्वाधिक वर्षा बासौदा तहसील में 52 मिमी और सबसे कम शमशाबाद तहसील में पांच मिमी दर्ज हुई है। इसके अलावा विदिशा तहसील में 33 मिमी, कुरवाई में 37 मिमी, सिरोंज में 48 मिमी, लटेरी में 16 मिमी, ग्यारसपुर में 18 मिमी, गुलाबगंज में 26 मिमी, नटेरन में 18 मिमी तथा पठारी तहसील में सात मिमी वर्षा हुई है।

बरेडा गांव के किसानों ने जमीन को बचाने के लिए लगाई सरकार से गुहार

वन विभाग को जमीन देने की तैयारी, कृषकों ने दिया धरना, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सोमवार को वर्षों से जिस जमीन पर खेती करते आ रहे हैं उक्त भूमि को बन विभाग को देने की सूचना प्रशासन ने गांव में चस्पा कराई तो किसानों के पैर ताले से जमीन खिसक गई हो ऐसी हालत हो गई अपनी भूमि को बचाने के लिए किसानों ने तहसील कार्यालय में धरना देकर सरकार से जमीन को बचाने की गुहार लगाई तथा एसडीएम हर्षल चैधरी को सुरेंद्र रघुवंशी और समाज सेवी एडवोकेट कपिल त्यागी के नेतृत्व में किसानों ने ज्ञापन भी दिया।

इससे पहले इन्होंने तहसील कार्यालय के गेट पर इनकी भूमि वन विभाग को डैम के बदले में देने की तैयारी करने पर जोरदार प्रदर्शन 45 मिनट तक चले इस प्रदर्शन के दौरान किसान नेता ने बताया कि ग्राम वरेंडा में अहिरवार समाज के लोग तकरीबन 45 साल से शासकीय तहसील की जमीन पर खेती कर रहे हैं इस जमीन पर इनको पूर्व में कुटीर शौचालय शासकीय ट्रांसफार्मर एवं खेती के लिए भी अलग ट्रांसफार्मर रखे हुए हैं तकरीबन 40 परिवार अपना गुजर यहां पर खेती करके वर्ष से करते आ रहे हैं। विगत दिनों प्रशासन ने एक नोटिस इनके गांव पर चस्पा करके इनको सूचना दी कि यह जमीन वन विभाग को हस्तांतरित की जा रही है।

इनका कहना है

हम विवाद वाली जमीन बदले में नहीं लेते हैं ब्रज मीणा वन परिक्षेत्र अधिकारी सिरोंज दबे आपत्तियों के लिए इसका प्रकाशन किया था जितनी भी आपत्ति आएगी उनको शासन को भेजेंगे इसके बाद नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी।
-हर्षल चैधरी एसडीएम

मेट्रो एंकर 18 वर्ष से कम उम्र के 7 बच्चों को भिक्षावृत्ति और 01 बच्चे को कचडा, पन्नी बीनते हुये रेस्क्यू किया

भिक्षा वृत्ति अभिशाप है, भिक्षा नहीं शिक्षा दें, वरना कार्रवाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम हेतु जिले में 20 दिवसीय जागरूकता अभियान अंतर्गत भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों का चिन्हाकन कर, बच्चों तथा उनके परिवारों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं से जोडने हेतु 20 जुलाई 2025 तक कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें ''भिक्षा वृत्ति अभिशाप है'' ''भिक्षा नहीं शिक्षा दें'' जैसे जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमति विनीता लोढा के मार्गशन में आज विदिशा बस स्टेण्ड पर महिला एवं बाल विकास की टीम द्वारा 18 वर्ष से कम उम्र के 07 बच्चों को भिक्षावृत्ति करते पाया गया एवं 01 बच्चे को कचडा पन्नी बीनते हुये पाया गया। सभी 08 बच्चों का रेस्क्यू करते समस्त बच्चों को बाल कल्याण समिति में प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा 03 बच्चों को वन स्ऑप सेंटर में रखा गया, 04 बच्चों को शिशु गृह में रखा गया एवं 01 बच्चे को बरईपुरा बालक छात्रावास में रखा गया है।

उक्त समस्त बच्चों के माता पिता, परिवार का पता लगाया जाकर समस्त बच्चों को शासकीय योजनाओं से जोड़ते हुये स्कूल में प्रवेश की कार्यवाही की जाएगी एवं बच्चों का परिवार में पुर्नवास कराया जायेगा।

किशोर न्याय (बालको की देखरेख और सरंक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 76 मे भीख मांगने के प्रयोजन के लिए बालक को नियोजित करने या किसी बालक से भीख मंगवाने पर 5 वर्ष के कारावास व एक लाख रूपए का दण्ड का प्रावधान है।

योगराज सिंह ने किया भारतीय कोच का सपोर्ट, बोले-

गौतम गंभीर की आलोचना बंद करें, शुभमन गिल की भी तारीफ की

नई दिल्ली , एजेंसी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर योगराज सिंह ने हेड कोच गौतम गंभीर का समर्थन किया है। योगराज का मानना है कि गंभीर पर निशाना साधना अनुचित होगा क्योंकि टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है और लगातार निखर रही है। योगराज का यह बयान भारत की एजबेस्टन टेस्ट में ऐतिहासिक जीत के बाद आया है। एजबेस्टन टेस्ट में शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम ने 336 रनों जीत हासिल करके सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली।

खिलाड़ियों को गालियां देना सही नहीं-योगराज

इससे पहले लीड्स टेस्ट में भारतीय टीम को 5 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। उस हार के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। योगराज सिंह ने एएनआई से बातचीत में कहा, %खिलाड़ियों को गालियां देना गलत है। आपने देखा होगा कि भारतीय खिलाड़ी निखर रहे हैं और अच्छा खेल रहे हैं। किसी खिलाड़ी को ये कहना कि उसे हटा दो, उसे क्यों लिया गया, वो लायक नहीं है, ये सब नहीं होना चाहिए।%

योगराज सिंह का मानना है कि गौतम गंभीर, युवराज सिंह और राहुल द्रविड़ जैसे पूर्व क्रिकेटर्स भारतीय क्रिकेट को कुछ न कुछ दे रहे हैं, इसलिए उन्हें सम्मान मिलना चाहिए। योगराज कहते हैं, गौतम गंभीर के बारे में कुछ बोलना नहीं चाहिए। वो अच्छा कर रहे हैं। ये वो लोग हैं जिन्हें क्रिकेट ने

बहुत कुछ दिया और अब ये क्रिकेट को कुछ वापस दे रहे हैं। योगराज सिंह ने यह भी कहा कि अगर टीम हारती है तो भी खिलाड़ियों की मेहनत को सराहना मिलनी चाहिए-योगराज ने बताया, अगर हम सीरीज हार भी जाएं तो कम से कम यह जरूर लिखें कि बच्चों ने बहुत अच्छा खेला। जीत-हार होती रहती है। लेकिन अगर हार गए तो सब खत्म नहीं हो जाता।%

योगराज सिंह ने कप्तान शुभमन गिल की तारीफ करते हुए कहा कि टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और फील्डिंग में भी बहुत सुधार दिखा है-योगराज कहते हैं, %शुभमन गिल का बयान मुझे अच्छा लगा कि हां, मैं ऐसे ही खेलने की कोशिश करूंगा। टीम बहुत अच्छा खेल रही है, सबने तारीफ की है। अगर हम इसी तरह फील्डिंग करें, तो हम सीरीज जीत सकते हैं। गेंदबाज 6 में से 4 अच्छी गेंद डालें और फील्डर दो अच्छे कैच लें, तो जीत पक्की है।%

योगराज ने भारत के लिए खेले इतने मैच

टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने भारत के लिए 1 टेस्ट और 6 वनडे मैच खेले। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 1 और वनडे इंटरनेशनल में 4 विकेट चटकाए। योगराज एक दाएं हाथ के तेज गेंदबाज थे और उन्होंने घरेलू क्रिकेट में हरियाणा और पंजाब का प्रतिनिधित्व किया।

ऑस्ट्रेलिया वेस्टइंडीज को हराकर नंबर-1

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली , एजेंसी

टीम इंडिया ने 2025-27 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में पहली जीत दर्ज की है। भारत ने इंग्लैंड को एजबेस्टन टेस्ट में 336 रन से हराया। इस जीत के साथ भारत को 12 डब्ल्यूटीसी अंक मिले और उनका पॉइंट परसेंटेज 50.00 हो गया है। भारत अब डब्ल्यूटीसी टेबल में इंग्लैंड के साथ तीसरे स्थान पर है। डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया है। टीम ने वेस्टइंडीज को उन्हीं के घर पर लगातार 2 टेस्ट हराए हैं। ऑस्ट्रेलिया के 24 पॉइंट्स हैं। दूसरे नंबर पर बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट में हराने वाली श्रीलंकाई टीम है।

श्रीलंका के 2 मैच में एक ड्रॉ और एक जीत के साथ 16 पॉइंट्स हैं। डब्ल्यूटीसी टेबल की सिचुएशन डब्ल्यूटीसी 2025-27 की शुरूआत श्रीलंका-बांग्लादेश के पहले मैच से हुई। यह मैच ड्रॉ रहा था। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच हेडिंग्ले से इस सीरीज की शुरूआत की। टीम को में 5 विकेट से हार मिली थी। न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका ने इस सीजन अभी एक भी टेस्ट नहीं खेला है।

टीम के हिसाब से डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल...

ऑस्ट्रेलिया पहले स्थान पर- 100 फीसदी पॉइंट परसेंटेज, वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-0 से सीरीज जीत ली है, एक मैच बाकी है। श्रीलंका दूसरे स्थान पर- 66.67 फीसदी पॉइंट परसेंटेज, बांग्लादेश के खिलाफ 1 जीत और 1 ड्रॉ। भारत और इंग्लैंड तीसरे और चौथे- संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। दोनों के 50.00त्न पॉइंट परसेंटेज हैं। सीरीज में अभी 3 मैच बाकी है। बांग्लादेश पांचवें स्थान पर- श्रीलंका के खिलाफ एक ड्रॉ और एक हार के बाद बांग्लादेश 16.67त्न पॉइंट परसेंटेज के साथ पांचवें स्थान पर है। वेस्टइंडीज छठे स्थान पर- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 मैच हारने के बाद वेस्टइंडीज 0 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं।

बुलवायो टेस्ट में मुल्डर ने 367 रन बनाए विदेश में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले प्लेयर

हरारे , एजेंसी

बुलवायो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन जिम्बाब्वे के खिलाफ साउथ अफ्रीका के कप्तान वियान मुल्डर ने 367 रन की ऐतिहासिक पारी खेली। लंच ब्रेक तक नाबाद रहने के बावजूद साउथ अफ्रीका ने अपनी पारी 626/5 पर घोषित कर दी, जिससे मुल्डर ब्रायन लारा के ऐतिहासिक 400 रन के रिकॉर्ड से 33 रन दूर रह गए। मुल्डर के अलावा लुहान-डी-प्रिटोरियस ने 82 और डेविड बेडिंगम ने 78 रन की पारी खेली। जिम्बाब्वे से तनाका चिवांगा और कुंडे मतिजीमु को 2-2 विकेट मिले।

मुल्डर ने 297 गेंदों में ट्रिपल सेंचुरी पूरी की

बतौर कप्तान अपना पहला टेस्ट खेल रहे वियान मुल्डर ने वीरेंद्र सहवाग के बाद सबसे तेज ट्रिपल सेंचुरी लगाई। सहवाग ने 2008 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 278 गेंदों में यह कारनामा किया था। मुल्डर ने अपनी पारी में 49 चौके और 4 सिक्स भी लगाए। मुल्डर, हाशिम अमला के बाद ट्रिपल सेंचुरी लगाने वाले दूसरे साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज बने। उन्होंने अमला के 311 रन के रिकॉर्ड को भी तोड़ा। मुल्डर ने ब्लेसिंग मुजाराबानी की गेंद को कवर के जरिए बाउंड्री मारकर अमला का रिकॉर्ड पार किया।

मुंबई छोड़ने के बाद महाराष्ट्र के लिए खेलेंगे पृथ्वी शॉ

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज और मुंबई के पूर्व खिलाड़ी पृथ्वी शॉ आगामी घरेलू सत्र के लिए सोमवार को महाराष्ट्र की टीम के साथ जुड़ गये हैं। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने इसकी घोषणा की। शॉ ने किसी और राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए पिछले महीने मुंबई क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र की मांग की थी, जिस पर उसकी संचालन समिति ने मुहर लगा दी थी। शॉ को खराब फिटनेस और अनुशासन संबंधी मुद्दों के कारण मुंबई की लाल गेंद टीम से बाहर कर दिया गया था । उन्होंने मुंबई के लिए अपना पिछला मैच मध्य प्रदेश के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने यहां जारी बयान में कहा, ह्यअंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और भारतीय टीम के शीर्ष क्रम के आक्रामक बल्लेबाज पृथ्वी शॉ आधिकारिक तौर पर मुंबई क्रिकेट संघ से अलग हो गये हैं और वह आगामी घरेलू सत्र में महाराष्ट्र क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

रणवीर की 'डॉन 3' में होगी शाहरुख खान की एंट्री, डायरेक्टर फरहान बना रहे ऐसा प्लान

डॉन फिल्म सीरीज, जो खुद 1978 में अमिताभ बच्चन की इसी नाम से आई फिल्म का ऑफिशियल रीमेक है, फैंस के बीच काफी पॉपुलर है। इस फिल्म की पॉपुलैरिटी का राज भी किसी से नहीं छिपा है। जिस तरह शाहरुख खान ने डॉन का रोल बड़े पर्दे पर निभाया, वो यादगार था। अब शाहरुख के बाद ये किरदार रणवीर सिंह निभाने वाले हैं जिसका इंतजार फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। हाल ही में एक खबर सामने आई जिसमें डॉन 3 की शूटिंग से जुड़ी बड़ी अपडेट थी। बताया गया कि फिल्म जल्द अपनी शूटिंग शुरू करने वाली है। फिल्म में रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी तो शामिल हैं ही, मगर साथ में ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की सरप्राइज एंट्री भी हो सकती है। अब एक और सुपरस्टार की एंट्री होने की खबर सामने आई है। सूत्रों ने बताया है कि डॉन 3 में शाहरुख खान की भी एंट्री हो सकती है। उनका एक ग्रैंड कैमियो प्लान किया जा रहा है जिसके लिए फिल्म के डायरेक्टर फरहान अख्तर शाहरुख से बातचीत कर रहे हैं। हालांकि फिल्म की क्या कहानी होने वाली है, इसपर अभी कोई अपडेट नहीं आई है। सूत्रों का कहना है, शाहरुख खान का फिल्म में कैमियो होने वाला है। हालांकि अभी उनके रोल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। मगर फरहान अख्तर शाहरुख से मिले हैं और उन्होंने एक्टर को उनके किरदार और कहानी के बारे में बताया है।

मेट्रो बाजार

घरेलू मोटर वाहन खुदरा बिक्री जून में पांच प्रतिशत बढ़ी: फाडा

नई दिल्ली। भारत में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री जून में सालाना आधार पर करीब पांच प्रतिशत बढ़ी। यात्री वाहनों और दोपहिया वाहनों सहित सभी वाहन खंडों में वृद्धि दर्ज की गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोटिव डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) ने सोमवार को कहा कि पिछले महीने कुल मोटर वाहन पंजीकरण 20,03,873 इकाई रहा, जो जून 2024 के 19,11,354 इकाई की तुलना में 4.84 प्रतिशत अधिक है। यात्री वाहन की खुदरा बिक्री पिछले महीने सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर 2,97,722 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी

अवधि में यह 2,90,593 इकाई थी। फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने बयान में कहा, '' भारी बारिश और बाजार में नगदी की कमी के कारण ग्राहकों की संख्या पर असर पड़ा, जबकि बढ़ी हुई प्रोत्साहन योजनाओं और नई बुकिंग से चुनिंदा ग्राहकों को मदद मिली।'' दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री जून में सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 14,46,387 इकाई हो गई। वाणिज्यिक वाहनों का पंजीकरण जून में सात प्रतिशत बढ़कर 73,367 इकाई हो गया। तिपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले महीने सात प्रतिशत बढ़कर 1,00,625 इकाई हो गई, जबकि ट्रैक्टर पंजीकरण नौ प्रतिशत बढ़कर 77,214 इकाई हो गया। अप्रैल-जून की अवधि में कुल खुदरा बिक्री सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 65,42,586 इकाई हो गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 62,39,877 इकाई थी।

पंचायत की रिंकी ने किया किस करने से इनकार, सचिव जी बोले- उनकी सहमति थी

टीवीएफ की सीरीज पंचायत का फैनबेस काफी बड़ा है। इसकी पॉपुलैरिटी पिछले कुछ सालों में इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि ऑडियंस इसके किरदारों की कहानियों के साथ भी जुड़ गई है। सचिव जी और रिंकी की लव स्टोरी ने ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन खूब सुर्खियां बटोरी। पंचायत की रिंकी यानी एक्ट्रेस सांविका ने सीरीज से जुड़े कई खुलासे किए जो काफी वायरल हुए।

सांविका ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्होंने सीरीज में किसिंग सीन देने से मना कर दिया था। उनका और सचिव जी यानी एक्टर जितेंद्र कुमार का एक किसिंग सीन था जिसे करने में वो असहज हो गई थीं। उन्होंने ये फैसला पर्सनली और शो की ऑडियंस को देखते हुए लिया था। अब सांविका की बातों पर जितेंद्र कुमार का रिएक्शन सामने आया है। एक्टर का कहना है कि किसिंग सीन के लिए सांविका की सहमति जरूरी थी। उनकी बातों का गलत तरीके से मतलब निकाला गया है।

एक न्यूज चैनल संग बातचीत में जितेंद्र कुमार ने कहा, मुझे लगता है कि सांविका की बातों का गलत मतलब निकाला गया है। जब किसिंग सीन की बात सामने आई थी, तब मैंने ही मेकर्स से कहा था कि वो उनसे पहले पूछ लें। उनकी सहमती जरूरी है। हम उस सीन को अजीब तरीके से मजेदार बनाना चाहते थे, जैसे हम किस करने ही वाले होते हैं कि तभी लाइट चली जाती है। मगर फिर बाद में उसे अलग तरीके से शूट किया गया।

सांविका की किस वाली बात पर सचिव जी का बयान

जितेंद्र ने आगे बताया कि उन्हें ऑनस्क्रीन किस करने में असहज महसूस नहीं होता है। उन्हें किसिंग सीन देने में तबतक कोई तकलीफ नहीं होती, जबतक वो कहानी में एक मजा लेकर आ रही है। एक्टर ने कहा, %मैंने शुभ मंगल ज्यादा सावधान फिल्म में आयुष्मान खुराना को किस किया है, मैंने कई एक्ट्रेसिज को स्क्रीन पर पहले किस किया हुआ है। एक एक्टर के तौर पर मैंने इसके लिए कभी असहज महसूस नहीं किया है। लेकिन भले ही वो एक किस हो या कोई सीन, वो कहानी को दर्शाना चाहिए। उसमें मजा आना चाहिए, ऑडियंस से कनेक्ट करना चाहिए।% दरअसल सांविका ने कहा था कि उनसे सीरीज के डायरेक्टर ने किसिंग सीन को लेकर बात की थी। जिसमें सीन पहले कुछ और था मगर उसे बाद में बदला गया।

वैश्विक मांग में नरमी से सोना 550 टूटकर 98570 पर पहुंचा, चांदी स्थिर

नई दिल्ली। नरम वैश्विक रुख और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगातार शुल्क की धमकियों के बाद सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 550 रुपये टूटकर 98,570 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत, अपने पिछले बंद भाव से 100 रुपये बढ़कर शनिवार को 99,120 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 500 रुपये गिरकर 98,100 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 98,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सोमवार को चांदी की कीमतें लगातार दूसरे सत्र में 1,04,800 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रहीं। सर्राफा कारोबारियों ने कहा कि सोने की कीमतों में गिरावट

सुस्त वैश्विक रुझान और उच्च स्तर पर निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली के अनुरूप थी। इसके अलावा, हाजिर बाजार में मौसमी मांग सुस्त बनी रही, जिससे कीमतों में गिरावट आई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक-जिस सौमिल गांधी ने कहा कि डॉलर में सुधार और उम्मीद से बेहतर अमेरिकी रोजगार बाजार के आंकड़ों के बाद ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने से सोने में कमजोरी के साथ कारोबार शुरू हुआ।

बाउंड्री वॉल गली से गुजर रहे युवक पर गिरी, मौत

भोपाल। नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित गांव कोलूखेड़ी में एक मकान की छत पर बनी ईंट की बाउंड्री भरभराकर गिर गई। बाउंड्री की ईंट गिरने से वहां से से गुजर रहे युवक को सिर में गंभीर चोट आई । उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार बृजेश कलावत (26) गांव कोलूखेड़ी, नजीराबाद में रहता था और खेती किसानी करता था। सोमवार सुबह वह घर से दुकान सामान लेने जा रहा था। वह गली से गुजर रहा था, तभी गली में बने मकान की छत पर बनी बाउंड्री वॉल भरभराकर गिर गई। उसके सिर पर बाउंड्री वाल की दीवार गिरने से उसे गंभीर चोट आई थी। परिजन उसे घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैरसिया लेकर पहुंचे, वहां पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अब तक की जांच में यह बात सामने आई कि बाउंड्री सिंगल ईंट की बनाई गई थी। उसे चार पांच साल हो गए थे। उस पर प्लास्टर नहीं कराया गया था। लगातार पानी गिरने से बाउंड्री टेड़ी हो गई और एकाएक गिर गई।

स्ट्रीट डॉग की बेरहमी से पिटाई करने वाले दंपति पर एफआईआर

भोपाल। निशातपुरा पुलिस ने स्ट्रीट डॉग की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या करने वाले दंपती पर पशु क्रूरता अधिनियम की धाराओं में एफआईआर की है। उक्त एफआईआर पशु प्रेमी की शिकायत पर दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि कविता भावनानी पति दौलतराम भावनानी (40) राजीव गांधी नगर पिपलानी में रहती हैं और आवारा मवेशियों लिए काम करती है। 3 जुलाई को उन्हें परिचित महेश ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा स्ट्रीट डॉग को लोहे की राड से बेरहमी से मारा गया है। वह मौके पर पहुंची तो स्ट्रीट डॉग मर चुका था। उन्होंने कार में डॉग को रखा और पीएम के लिए पशु चिकित्सालय लेकर पहुंची।सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कुत्ते से मारपीट करते हुए नजर आए थे दंपती लोगो से पूछताछ करने और सीसीटीवी कैमरे देखने पर पता चला कि मुरली नगर निवासी मुजम्मिल और उसकी पत्नी सदब द्वारा देर रात पौने दो बजे के आसपास स्ट्रीट डाग की बेरहमी से रॉड से पिटाई गई थी।

भगवत कथा सुनने गई महिला के गले से चेन चोरी

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित उत्सव मैरिज गार्डन में भगवत कथा सुनने गई बुजुर्ग महिला के गले से अज्ञात बदमाश ने चेन चुरा ली। कथा सुनने के दौरान अन्य महिलाओं के साथ भी चेन और मंगलसूत्र चोरी होने की घटनाएं हुई है। इधर पुलिस ने केवल एक ही महिला की शिकायत के बाद चोरी का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस मैरिज गार्डन में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस ने बताया कि संगीता पति यूधीश (58) मिसरोद में रहती हैं। रविवार रात वह उत्सव मैरिज गार्डन में चल रही भगवत कथा में कथा सुनने पहुंची थी। कथा में उनका ध्यान था इसी बीच किसी ने उनके गले से सोने की चेन चुरा ली। उन्होंने घटना की शिकायत थाने पहुंचकर की। उनकी शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात बदमाश पर चोरी का मामला दर्ज किया है।

तलैया थाना क्षेत्र का मामला

प्रेमिका ने शादी से किया इंकार प्रेमी ने तालाब में लगा दी छलांग

- **आत्महत्या से पहले परिजन को कहा वीआईपी रोड पर खड़ी एक्टिवा ले जानो**
- **आत्महत्या से पूर्व हुई थी प्रेमिका से मोबाइल पर बहस**

भोपाल, दोपहर मेट्रो

तलैया थाना क्षेत्र स्थित वीआईपी रोड पर शीतला माता के मंदिर के पास सोमवार सुबह एक युवक ने एक्टिवा सड़क किनारे खड़ी की और तालाब में छलांग लगा दी। आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से एक घंटे की मशक्कत के बाद लाश बाहर निकाल ली। पुलिस को मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। मृतक के बड़े भाई का कहना है कि उसका भाई एक युवती के साथ रिलेशन में था। अचानक युवती शादी से मुकर गई।

पुलिस ने बताया कि कोकता बायपास बिलखिरिया निवासी अमित साहू (22) बीकॉम ग्रेजुएट था और ओला में खुद की गाड़ी अटैच कर चलाता था। सोमवार सुबह करीब 10 बजे वह एक्टिवा से वीआईपी रोड पहुंचा। एक्टिवा सड़क किनारे खड़ी करने के बाद शीतला माता मंदिर की रेलिंग के पास कुछ देर खड़ा रहा फिर अचानक उसने बड़े तालाब में छलांग लगा दी। घटना के समय कुछ लोग मौके पर मौजूद थे। उन्होंने पुलिस व वीआईपी रोड पर मौजूद गोताखोरों को सूचना दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश की। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद अमित की लाश पानी से बाहर निकाल ली गई।

परिजन से भी हुई बात, कहा एक्टिवा ले जाना – थाना प्रभारी दीपक डेहरिया ने बताया कि अमित साहू ने तालाब में कूदने से पहले मोबाइल से अपने परिजनों को कॉल किया। उसने कहा कि एक्टिवा वीआईपी रोड पर शीतला माता के मंदिर के पास खड़ी है। आकर ले जाना। हालांकि परिजन ने उससे पूछने का प्रयास किया कि तुम कहां हो और क्या कर रहे हो, लेकिन उससे पहले ही अमित ने कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया था। इसके बाद उसका कॉल रिसीव नहीं हुआ।

तालाब में कूदने पहले हुई थी बहस – सूचना मिलते ही अमित का बड़ा भाई रवि मौके पर पहुंच गया था। उसने बताया कि पिछले पांच-छह साल से अमित एक युवती के साथ रिलेशन में था। वह उससे शादी करना चाहता था। परिजन भी शादी के लिए तैयार थे, लेकिन कुछ दिन पहले युवती ने अचानक शादी करने से मुकर गई। प्रेमिका के इंकार के बाद से अमित तनाव में रहने लगा था। तालाब में कूदने से पहले भी मोबाइल पर उसकी प्रेमिका से बहस हुई थी।

स्कॉर्पियो पलटने से घायल किशोर की मौत

भोपाल। कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित एयरपोर्ट रोड पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पलटने से घायल 17 साल के नाबालिग की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में घायल एक युवक और एक नाबालिग की हादसे वाले दिन ही मौत हो गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। टीआई केजी शुक्ला ने बताया कि घायल जोएब अंसारी (17) हादसे के बाद से चिरायु अस्पताल में भर्ती था। उसके शरीर में कई गंभीर चोटे आई थी। भीषण हादसे में स्कॉर्पियो के उड़े थे परखच्चे, दो की हो गई थी मौत इलाज के दौरान सोमवार दोपहर को उसकी मौत हो गई। हादसे में स्कॉर्पियो सवार तीनों की मौत हो चुकी है। दरअसल हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी करोंद निवासी दानिश पुत्र जहीर खान (17) अपने दो दोस्त हनी अली (26) और जोएब अंसारी (17) के साथ परवलिया रोड पर एक ढाबे पर गया था। लौटते समय गुलमोहर गार्डन के पास उसकी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और सडक के दूसरी ओर जा गिरी। इसी दौरान कार सामने से आ रहे लोडिंग ऑटो से भी टकरा गई।

किसान ने जहरीला पदार्थ पीकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित हिमोनी गांव में एक किसान ने जहरीला पदार्थ पी लिया। परिजन उसे इलाज के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है। मंगलवार को पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा। पुलिस के अनुसार चंद्रमोहन यादव पिता पहलवान यादव (42) गांव हिमोनी, तहसील बैरसिया में रहते थे और खेती किसानी करते थे। सोमवार सुबह उन्होंने घर में रखा कोई जहरीला पदार्थ पी लिया। परिजन उन्हें बैरसिया के एक अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां स्थिति बिगड़ते देख चूनाभट्टी स्थित अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद चंद्रमोहन को मृत घोषित कर दिया।

डेम में मिली पुरानी लाश

इधर, चूनाभट्टी पुलिस ने कलियासोत डेम से अज्ञात युवक की लाश बरामद की है। युवक के शरीर पर केवल बरमुंडा बस है। उसके पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। मृतक की उम्र करीब 30 से 35 साल के आसपास बताई जा रही है।

अलग रहने का शपथ पत्र बनाया, फिर लिव इन पार्टनर ने किया दुष्कर्म

भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र में लिव इन पार्टनर पर महिला ने घर में घुसकर दुष्कर्म करने और मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि वह आरोपी के साथ लिव इन रिलेशन में रहती थी। वह प्रताड़ित करने लगा तो वह उससे अलग रहने लगी। बावजूद इसके आरोपी उसके घर पहुंचा और उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाकर मारपीट कर दी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 32 साल की महिला इलाके में रहती है और घरों में साफ सफाई का काम करती है। सनमान सिंह पाल से उसका परिचय था। दोनों लिव इन रिलेशन में साथ रहते थे। लिव इन रिलेशन में रहने का उन्होंने शपथ पत्र भी बनवाया था। बाद में दोनों के बीच अनबन होने लगी और एक अन्य शपथ पत्र अलग अलग रहने का बना लिया। बावजूद इसके रविवार शाम सनमान सिंह पाल उसके घर पहुंचा और उससे मारपीट करते हुए जबरन शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने थाने पहुंचकर घटना की शिकायत की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

एयरपोर्ट पर तैनात महिलाकर्मी से मनचले ने की छेड़छाड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गांधी नगर पुलिस ने एयरपोर्ट की महिला कर्मचारी की शिकायत पर अज्ञात मनचले के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि मनचले ने एयरपोर्ट पर ड्यूटी जाने वाले अन्य महिला कर्मचारियों के साथ भी इसी तरह की हरकत की है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि 32 साल की युवती इलाके में रहती हैं और ऐयरपोर्ट में नौकरी करती है। गत 1 जुलाई को वह ड्यूटी जा रही थी, तभी तड़के ब्रिज के पास एक बाइक सवार ने उनका पीछा किया और उसे रोकने का प्रयास किया। आरोपी के रोकने के प्रयास में वह स्कूटर से गिरते गिरते बची। स्कूटर रुकते ही आरोपी युवती के पास पहुंचा और बुरी नियत से छेड़छाड़ की। उसने शोर मचाया तो आरोपी वहां से भाग निकला। उसकी बाइक में लिखे नंबर भी पूरे नहीं थे। पीड़िता ने घटना की जानकारी साथ काम करने वाली अन्य सहकर्मियों को बताई तो उन्होंने बताया कि उनके साथ भी एक युवक इसी तरह की हरकत कर चुका है।

मेट्रो एंकर पैसों की मांग व ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर महिला ने की शिकायत

ट्यूटर ने किया महिला से दुष्कर्म वीडियो बनाकर ब्लैकमेल भी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र में 35 साल की महिला से दुष्कर्म और ब्लैकमेल कर पैसों की डिमांड करने का मामला सामने आया है। दरअसल, आरोपी महिला के बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने घर आता था। इस दौरान उसने छिपकर महिला के पर्सनल फोटो व वीडियो बना लिए।

इसी फोटो और वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर आरोपी उससे दुष्कर्म करने लगा था। करीब एक महीने तक महिला को ब्लैकमेल कर शारीरिक शोषण किया। इस बीच उसने फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिए और फिर पैसों की मांग करने लगा। परेशान होकर महिला ने

पति को सारा घटनाक्रम और फिर थाने जाकर ब्लैकमेलिंग व दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज करा दिया।

पुलिस ने बताया कि इलाके में रहने वाली 35 साल की महिला गृहणी है। वह पति व बच्चों के साथ रहती हैं। शहादत मिर्जा नामक युवक उनके बच्चों का ट्यूशन पढ़ाने आता था। पिछले दिनों शहादत मिर्जा ने छिपकर उनके पर्सनल फोटो और वीडियो अपने मोबाइल से बना लिए और उन्हें दिखाकर ब्लैकमेल करने लगा। उसने धमकी दी कि यदि उसकी बात नहीं मानी तो फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। आरोपी ने महिला के घर में ही उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके बाद भी आरोपी ने कई बार ब्लैकमेल करते हुए महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाए। आखिरी बार आरोपी ने 3 जून को महिला से दुष्कर्म किया। इस बीच आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पैसों की मांग की। पैसे देने से मना करने पर आरोपी ने फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिए। आरोपी की ब्लैकमेलिंग से तंग आकर पीड़ित ने थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज करा दी। घटना के बाद से शहादत मिर्जा फरार है। उसकी तलाश की जा रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022